दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़
itdcnews.com
भारत सरकार डाक पंजीयन संख्या MP/BHOPAL/4-504/2020-22
मध्य प्रदेश संस्करण
भारत सरकार आरएनआई संख्या MPHIN/2018/77221
अंक 60, वर्ष 06, पृष्ठ 08, मूल्य रू. 2.00
भोपाल, रविवार , 08 जनवरी 2023

भारत ने 91 रन से जीता तीसरा टी-20

श्रीलंका से लगातार 5वीं होम सीरीज जीती, सूर्यकुमार का तीसरा शतक

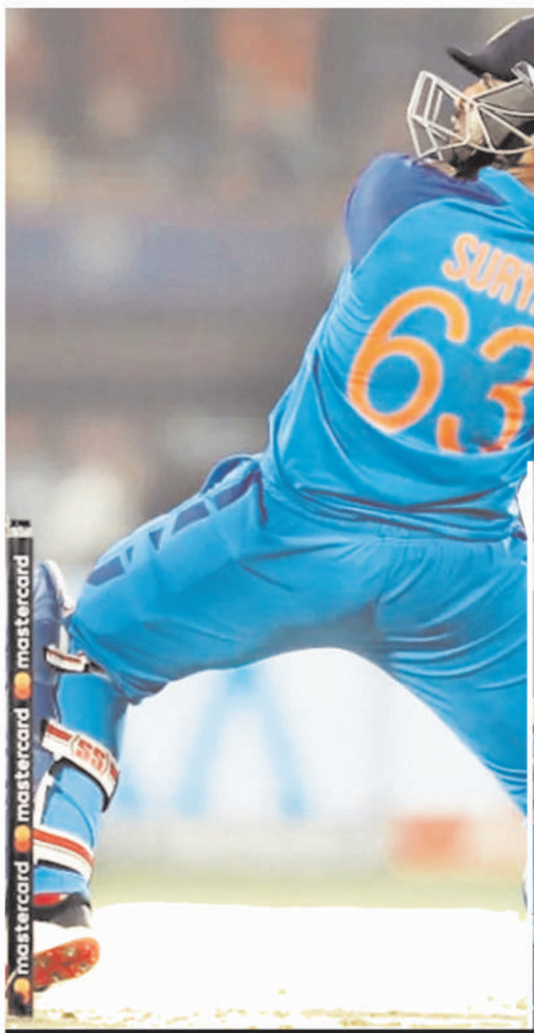

राजकोट। टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 91 रनों से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने श्रीलंका से लगातार 5वीं होम सीरीज जीती है। दोनों टीमों के बीच अब तक भारत में 6 सीरीज हो चुकी हैं। इनमें से सिर्फ एक ड्रॉ रही है। जो 2009 में खेली गई थी। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 228 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। उसके बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजों को 16.4 ओवर में 137 रन पर आउट कर दिया। भारत की जीत के हीरो सूर्यकुमार यादव रहे। उन्होंने 51 गेंद पर 112 रन बनाए। सूर्या को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। अक्षर ने 117 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी चटकाए।

भारत की ओर से सूर्यकुमार यादव ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 51 गेंद पर 112 रन बनाए। सूर्या के अलावा शुभमन गिल ने 46 और राहुल त्रिपाठी ने 35 रन बनाए। श्रीलंका के लिए दिलशान मदुशंका ने 2 विकेट लिए। जबकि कसुन रजिथा, चमिका करुणारत्ने और वनिंदु हसरंगा के हिस्से एक-एक विकेट आए। जवाबी पारी में श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका और ओपनर कुसल मेंडिस ने 23-23 रन बनाए। धनंजया डी सिल्वा ने 22 रन जोड़े। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट चटकाए। जबकि हार्दिक पंड्या, उमरान मलिक और युजवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट लिए।

सूर्यकुमार यादव ने श्रीलंका के खिलाफ 45 बॉल में शतक जमाया। यह उनके टी-20 इंटरनेशनल करियर का तीसरा शतक है। टी-20 करियर में उनसे ज्यादा शतक भारत के रोहित शर्मा ही लगा सके। रोहित के नाम 4 टी-20 शतक हैं।

सूर्या ने भारत के लिए दूसरा सबसे तेज शतक भी जमाया। उनसे पहले रोहित ने ही 35 बॉल में शतक लगाया था।

विकास'23 सीधी सड़क नहीं

विकासशील देशों के लिए "मिशन विकास'23 एक दम सीधी सड़क तो नहीं है. पिछले वर्षों में कुछ ऐसा नहीं हुआ है जिसकी बिना पर भारत जैसे देश अपने आपको एकदम आराम में कम्फर्ट में हो जायें और ना ही बीते वर्षों में ऐसा कुछ हुआ था जो हमें उम्मीदों के पहाड़ के लिए आधार बना देगा.

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर आगाह किया है। उसने कहा कि इस साल एक-तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी में होगी और अमेरिका, यूरोपीय संघ तथा चीन में नरमी की आशंका के बीच यह वर्ष 2022 के मुकाबले ज्यादा कठिन होगा।

यह बात ऐसे समय पर आई है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के 10 महीने बाद भी इसके समाप्त होने के कोई संकेत नहीं हैं। इसके अलावा बढ़ती मुद्रास्फीति, उच्च ब्याज दर और चीन में कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है।

अनुमान है कि वैश्विक अर्थ-व्यवस्था का एक-तिहाई हिस्सा मंदी में होगा। 'वास्तव में वर्ष 2023 पिछले साल के मुकाबले कठिन होगा। इससे अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन में नरमी की आशंका है।

हालाँकि हमारा देश की, जीडीपी का 55% लगभग सेवा क्षेत्र से है, 25% उद्योगों से 20% कृषि एवं अन्य के योगदान से दुनिया की 5वीं अर्थ शक्ति बना है.

ऐसे में प्रमुख सुधार के अवसर, सेवा क्षेत्र में ही देखे जा सकते हैं. सरकारों को इनकी शक्ति, सहयोग व समर्पण को यथो सम्मान देना चाहिए.

आर्थिक उदारीकरण, सेवा उद्योग की एक तीव्र बढ़ोतरी के रूप में उभरा है और भारत वर्तमान समय में कृषिआधरित अर्थव्यवस्था से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तन को देख रहा है ।

आज सेवा क्षेत्र जीडीपी के लगभग 55 प्रतिशत है जो कुल रोजगार का लगभग एक तिहाई है और भारत के कुल निर्यातों का एक तिहाई है.

नागपुर के तुकड़ोजी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित 108वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे ही संबोधित किया है कि 21वीं सदी के भारत के पास डेटा और टेक्नॉलॉजी बहुतायत में हैं. यह सर्विस इंडस्ट्री से तैयार हुआ है.

ऐसे में यदि हम 2023 की बात करें तो मुझे लगता है, हमें सेवा प्रक्षेत्र में विशेष कार्यसुधार की आवश्यकता पर बल देना होगा.

कर सरलीकरण, अनुज्ञा प्रणाली यथा संभव एकल खिड़की आधारित होना समय की मांग है.

यह सभी उपाय सेवा उद्यमों को सफल करेंगे जो हमारे यहाँ वैश्विक मंदी को ताल सकते हैं .

नहीं तो दूसरी तरफ भारत के बाहर देखें तब जैसा दुनिया को देख रहे है जिन देशों में मंदी नहीं भी है, वहां भी करोड़ों लोगों के लिये मंदी जैसी स्थिति होगी।

अगले एक-दो महीने का समय चीन के लिये कठिन होगा और चीन में वृद्धि का क्षेत्रीय और वैश्विक वृद्धि पर नकारात्मक असर होगा। तो कुल मिलाकर वर्तमान की परिस्थितियो के प्रक्षेपण को देखकर बनेगा.

यदि चीन समय रहते कोविड19 पर नियंत्रण पा लेता है और रूस-उक्रेन युद्ध अंत को आ जाता है तब वैश्विक अर्थव्यवस्था संभल सकती है नहीं तो स्थिर रहे, मंदी में न जा जाये, ऐसा होना, वैश्विक धरातल पर संतोष का विषय रहेगा.

बस जो बात आज विषय बनाने को प्रस्तुत की है यदि सरकारें उस पर अमल करती हैं तो हम अर्थ व्यवस्था के बड़े मंदी दौर से भारत में सुरक्षित रहेंगे.

वीर

अपनों से अपनी सी बात

दिल्ली में मेयर, डिप्टी मेयर पर विवाद बढ़ा

LG ऑफिस का सैकड़ों AAP कार्यकर्ता ने घेराव किया, राजघाट में भाजपा का धरना शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली में MCD के मेयर, डिप्टी मेयर का चुनाव शुक्रवार को नहीं हो पाया। भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। अब आम आदमी पार्टी और भाजपा सड़कों पर उतर आई हैं और एक दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। स्त्र वीके सक्सेना के ऑफिस के बाहर AAP के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। AAP विधायक आतिशी ने मांग की है कि भाजपा और लेफ्टिनेंट गवर्नर (LG) वीके सक्सेना लिखित में स्टेटमेंट दें कि नॉमिनेटेड सदस्य वोट नहीं डालेंगे।वहीं, भाजपा कार्यकर्त्ता राजघाट में धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि AAP पार्षदों ने महिला पीठासीन अधिकारी के साथ गाली-गलौच की है। उनके ऊपर कुर्सी फेंकी है। BJP ने LG से मांग की है कि ऐसे AAP नेताओं पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

शुक्रवार सुबह 11 बजे पार्षदों का शपथ ग्रहण शुरू होना था, लेकिन प्रोटेम स्पीकर ने सबसे पहले मनोनीत सदस्यों को जैसे ही शपथ दिलानी शुरू की, आम आदमी पार्टी (AAP) के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। इससे BJP पार्षद भी इनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई होने लगी। क्क के पार्षद प्रोटेम स्पीकर के आसन पर चढ़ गए।

होटल से ऑनलाइन मंगाई बिरयानी, खाने से 20 साल की लड़की की मौत, मचा हंगामा

तिरूवंतपुरम। केरल के कासरगोड में फूड पॉइजनिंग से 20 साल की लड़की की मौत का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस युवती ने स्थानीय होटल से बिरयानी की एक किस्म कुझिमंथी मंगाई थी, जिसे खाने के बाद शनिवार को उसकी मृत्यु हो गई। इस लड़की की पहचान पेरूंबाला निवासी अंजू श्रीपार्वती के तौर पर हुई है। इस घटना को लेकर कासरगोड के

लोगों ने अपने गुस्से का इजहार किया है और होटल के मालिक पर सख्त ऐक्शन लेने की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंजू ने कुझिमंथी का सेवन किया था जिसे उसने 31 दिसंबर को कासरगोड में रोमांसिया नामक एक रेस्तरां से ऑनलाइन मंगाया था। बिरयानी खाने के बाद वह बीमार पड़ गई और तभी से उसका इलाज चल रहा था। ऑफिसर ने कहा कि युवती के माता-पिता ने इस संबंध शिकायत की जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

अहमदाबाद में इमारत की 7वीं मंजिल पर लगी भीषण आग

फ्लैट में फंसी किशोरी की मौत, 40 लोग बचाए गए

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक रिहायशी बिल्डिंग की 7वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लग जाने से 17 साल की एक किशोरी की जलकर मौत हो गई। आग लगने के दौरान उसके परिवार के चार अन्य सदस्य अपनी जान बचाकर निकलने में कामयाब रहे। अग्निशमन अधिकारी ओम जडेजा ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फ्लैट में आग लगने की यह घटना शाहीबाग इलाके में 11 मंजिला ऑर्चिड ग्रीन सोसाइटी में सुबह के समय हुई। दमकलकर्मियों ने सातवीं मंजिल पर स्थित इस फ्लैट की बालकनी से फंसी बुरी तरह झुलसी प्रांजल जीरवाला को निकाला। उसे बेहाशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

होशंगाबाद मैन रोड की प्राइम लोकेशन पर 1500 sqft का, सर्वसुविधा युक्त, प्लाट (वाजिब दाम) में बेचना है, खरीदने हेतु संपर्क करें- (abhishek) 8827342224

3 बीएचके डुप्लेक्स बेचना है, रोजवुड सेंचुरी, कल्पनानगर के पास BHEL का शांत वातावरण, 1000 वर्गफीट पर 1600 निर्मित, नया निर्माण, कवर्ड केम्पस, संपर्क 9479532443

बेचना: वाजिब दाम नवनिर्मित 2/3 BHK फ्लैट कवर्ड केम्पस SOS बालग्राम के पास पिपलानी, भरपूर पानी, सिक्युरिटी, सीसीटीवी, दो गार्डन संपर्क –सुबह 11 बजे से 9827056084

2400sqft (40X60) ईस्ट फेसिंग बहुत ही मोके का प्लाट संजीव नगर, नेवरी (लालघाटी) में उचित दाम पर बेचना है. संपर्क करे 6266177537

प्लाट बेचना है -1500 sqft प्लाट कोलार में कबर्ड केम्पस में मोके का प्लाट उचित दाम पर बेचना है. संपर्क करे -6266177537

1399000/- नवनिर्मित मल्टी में 2 बीएचके फ्लैट विक्रय हेतु लिफ्ट, 24 घंटे पानी, पार्किंग चोकीदार आदि सुविधाएं, कोलार की प्राइम लोकेशन राजहर्ष D मार्ट के पास के पास संपर्क 8889427734

तुरंत बेचना है सीहोर पलटन एरिया में लगभग 3200 sq feet कॉर्नर प्लाट पर लगभग 1200 sq feet में निर्मित पुराना माकन I संपर्क 9406934909.

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

2 Bhk Furnished Flat in Trilanga Colony Near Aura Mall Rent 10500/- Contact – 8962643902.

रानी कमलावती (हबीबगंज) रेलवे स्टेशन के सामने ऑफिस /दुकान (200 sqft)- तुरंत किराए पर देना है –जी-18, कामधेनु टावर, भाजपा कार्यालय के पीछे, भोपाल संपर्क- 94250-14000

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या संपर्क करे 9893303141

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj Residential Plot in danishhills, 9425008779

प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

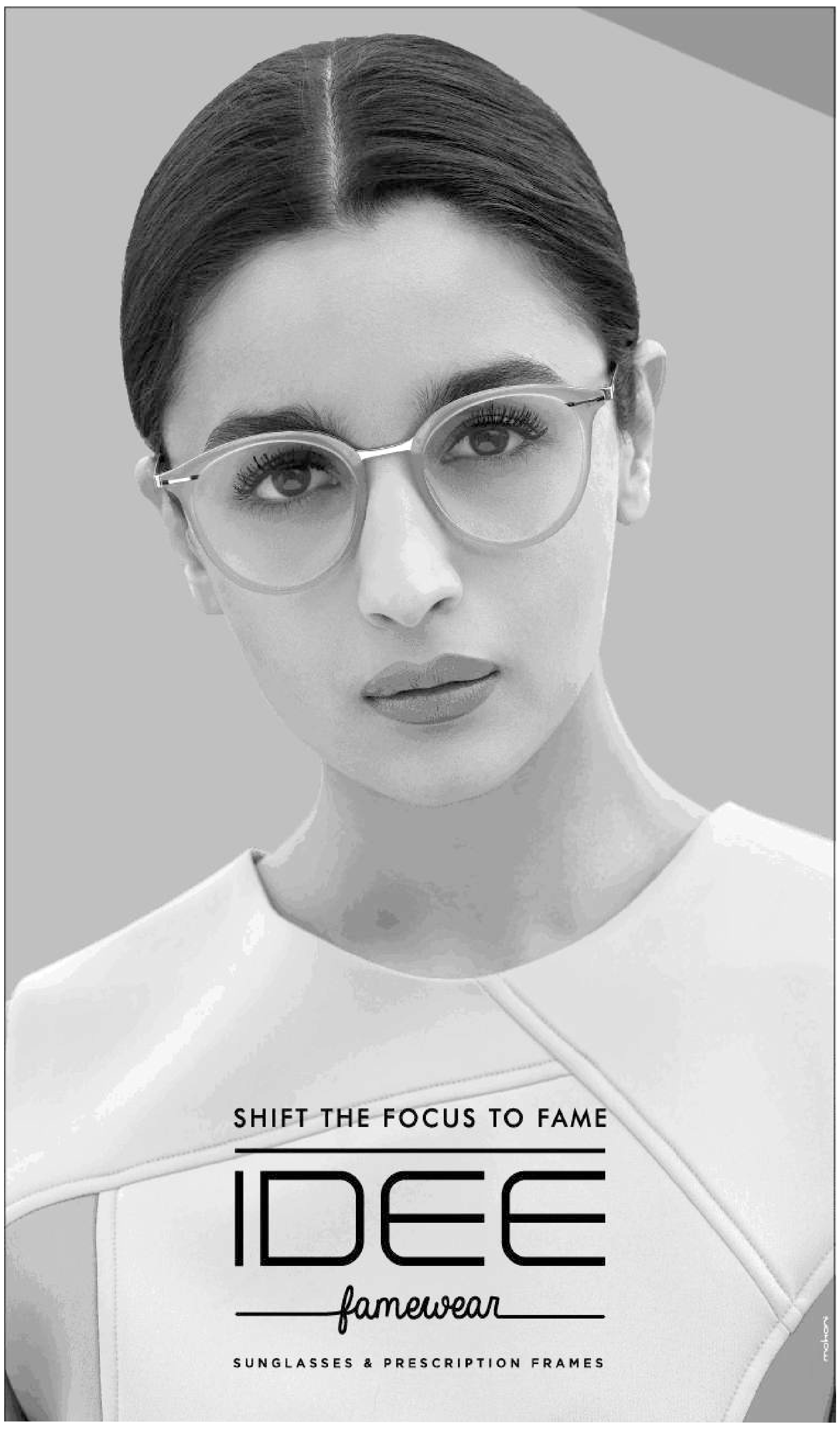

ITDC JOB आवश्यकता

full time Accountant For accounting Entries in GST, TDS, MS Excel & Tally ERP9 Only Commerce Graduates apply29 Zone-1, M.P. nagar,CA. Dewanagan 94250225993.

Asha Niketan Hospital require experienced Gynecologist Contact: 11 no. Stop, Arera Colony, 0755-2563546, 4003040

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP mail CV to: Info@premierindustries. net

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/ 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिंग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

आवश्यकता है

आवश्यकता है हाउस मेड (लड़की) शुद्ध शाकाहारी ब्राह्मण/ बनिया/ जैन/ केवट/ पटेल/ खरे, जो 24 घंटे मेरे साथ रहे घर और बच्चों के सारे काम करे, जिसे बच्चे संभालने का अनुभव, जो गुटखा तंबाकू आदि का सेवन न करती हो. राशन कार्ड, आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य. कार्यस्थल- छतरपुर

Mobile. 8871253723

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS

AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

A bigger home is not just about those extra square feet, but more room for your needs and desires. It gives your lifestyle that much-awaited lift. That's why we give you a wide range of spacious properties - 3BHK+ flats, villas, homes with study rooms, and more. So come, find your new address with more space for your dreams.

More than 4 Lakh options of 3BHK+ Flats and other properties

Download magicbricks app now

magicbricks
Property Sahi. Milegi Yahin.

YES
NO
BREAKING NEWS

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

यूथ गेम्स का थीम सॉन्ग- हिंदुस्तान का दिल धड़का दो...

खेलो इंडिया की मशाल को 'अमरकंटक' नाम दिया, शिवराज ने किया डांस, बोले खेल अब करियर

भोपाल। खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के पांचवें संस्करण का मैसकॉर्ट, टॉर्च और एंथम 'हिंदुस्तान का दिल धड़का दो...' का अनावरण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। खेलो इंडिया की मशाल का नाम अमरकंटक दिया गया। इस पर मां नर्मदा की आकृति बनाई गई है। भोपाल के शौर्य स्मारक में सीएम बतौर मुख्य अतिथि शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मंच पर डांस भी किया। 30 जनवरी से 11 फरवरी तक होने वाले इस आयोजन में 13 दिन तक 8 अलग-अलग शहरों के 23 गेम वेन्यू में 6 हजार से ज्यादा खिलाड़ी प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज ने फिर से दोहराया कि पदक के दावेदार खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के लिए 5 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक विजेताओं को सीधे डीएसपी बना दिया जाएगा। खेल अब करियर होगा।

इस दौरान केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक विशिष्ट अतिथि हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम में ड्रोन और लेजर शो से खेलो इंडिया के अदभुत रंग देखा जा रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स का पांचवां संस्करण प्रदेश के 8 शहर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और खरगोन (महेश्वर) में होगा।

एक गेम (साइकिलिंग) दिल्ली में होगा। पहली बार वाटर स्पोर्ट्स अर्थात कयाकिंग कैनोइंग, कैनो सलालम और तलवारबाजी खेलो इंडिया गेम्स के इस संस्करण का हिस्सा होंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 5.0 में 303 अंतर्राष्ट्रीय और 1089 राष्ट्रीय ऑफिशियल्स इन गेम्स का हिस्सा होंगे। खेलो इंडिया के लिए लगभग 2 हजार वॉलिंटियर अलग-अलग गेम वेन्यू में तैनात रहेंगे। इससे पहले दिल्ली, पुणे (महाराष्ट्र), गोवाहाटी (असम), एवं पंचकुला (हरियाणा) में इसके आयोजन हो चुके हैं।

खेलो इंडिया थीम सॉन्ग को रिलीज किया गया। राजधानी के शौर्य स्मारक परिसर में शाम 6 बजे कार्यक्रम शुरू हुआ। इसके लिए फ्री एंट्री रही। यहां से शिवराज इंदौर के लिए रवाना होंगे। रविवार से प्रवासी भारतीय सम्मेलन शुरू हो रहा है। सीएम शिवराज प्रवासी भारतीयों के साथ डिनर करेंगे। फ्रेंड्स ऑफ एमपी के लीडर्स और डिलेगेट्स शामिल होंगे। शाम 7.30 बजे इंदौर पहुंचेंगे सीएम शिवराज। 8 बजे डेलीगेट्स के साथ भोजन और चर्चा करेंगे।

मप्र में शोर मचा दो हिंदुस्तान का दिल धड़का दो

उल्लास और ऊर्जा इन सभी को आपके मन में भरने के लिए मध्यप्रदेश में 30 जनवरी से शुरू हो रहा है खेलो इंडिया यूथ गेम्स का पांचवां संस्करण। हिंदुस्तान के दिल में होने जा रहे इस आयोजन से खेलों को एक नई दिशा मिलेगी। इसका आधिकारिक अनावरण 7 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। खेल हमारे विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों में स्वास्थ्य एवं खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए खेलो इंडिया मुहिम शुरू की है। इसके तहत पूरा देश खेलों की ओर मुड़ा है।

मुख्यमंत्री ने किया पौध-रोपण

सीपीएचडी हेल्थ केयर फाउंडेशन और राम सेना संस्था के सदस्यों ने भी लगाए पौधे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ सीपीएचडी हेल्थ केयर फाउंडेशन और राम सेना समाजसेवी संस्था के सदस्यों ने वाटर विज़न पार्क में खिरनी, गूलर और पिथोरिया के पौधे लगाए। जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधा और सेवा उपलब्ध कराने तथा गायों के वैक्सीनेशन को समर्पित फाउंडेशन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को गीत ÷किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार- किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार÷ की पंक्तियाँ समूह में गाकर समर्पित की।

फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण और बच्चों के कल्याण के लिए भी कार्य कर रही है। फाउंडेशन की सुश्री दिव्या इंदिरा चटर्जी, सुश्री लवाण्या गोस्वामी, सुश्री अर्पिता पांडे, सुश्री अनुष्का, सुश्री माधवी यादव, सुश्री साम्या खान तथा सर्वश्री निहाल जावनधिया, मोहम्मद वारिस रजा, अनिकेत लोवंशी, शैलेन्द्र शर्मा, दीपक करोसिया, अनीस खान, सुशील पांडेय, योगेश मिश्रा, ऋषभ, अभिषेक अरोलिया, मनीष, अभिषेक उपाध्याय तथा अभिषेक मकवाने ने पौध-रोपण किया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक चालक की अचानक बिगड़ी तबीयत, स्वजन के पहुंचने से पहले मौत

भोपाल। राजधानी के बिलखिरिया इलाके में एक ट्रक चालक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। डाक्टर ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती होने के लिए कहा, लेकिन अकेला होने की वजह से उसने डाक्टर की सलाह को अनसुना कर दिया। समय पर उपचार न मिल पाने की वजह से उसकी मौत हो गई। उसका शव ट्रक के अंदर ही मिला। बीमार होने की सूचना उसने फोन पर मुरैना में रहने वाले स्वजन को दी थी। वे लोग जब तक भोपाल पहुंचे, तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम होने के बाद स्वजन उसका शव लेकर मुरैना रवाना हो गए हैं। बिलखिरिया थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि 30 वर्षीय देवेंद्र सिंह कसाना मूलतः मरैना का रहने वाला था और ट्रक चलाता था। तीन-चार जनवरी की दरमियानी रात वह ट्रक लेकर भोपाल पहुंचा था। उसने पटेल नगर बायपास मार्ग स्थित मधुबन ढाबे के पास ट्रक रोका और ढाबे वालों को बताया कि उसे अपनी तबीयत खराब लग रही है। ढाबे वालों ने उसे पास के डाक्टर की जानकारी दी तो वह दवाई लेने पहुंचा। उसकी हालत देखकर डाक्टर ने कहा कि तबीयत बहुत ज्यादा खराब है, इसलिए वह उसे किसी अस्पताल में भर्ती करवा देते हैं।

शरारती तत्वों ने नए वर्ष में फिर तोड़े अटल पथ के डस्टबिन, कुर्सियां और पाथवे भी क्षतिग्रस्त

भोपाल। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने निगम की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर में सार्वजनिक संपत्तियों के साथ तोड़-फोड़ और उनको नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। ताजा मामला 40 करोड़ रुपये से बनाए गए अटल पथ का है। दो महीने पहले ही दीपावली के अवसर पर असमाजिक तत्वों ने यहां रखे 28 डस्टबिन में फटाखे फोड़ते हुए उन्हें तोड़ दिया था। अब फिर नए वर्ष में शरारती तत्वों ने अटल पथ पर रखे डस्टबिन, कुर्सियां और पाथवे की लाइनिंग तोड़ दी है। जिम्मेदारों ने इनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। बता दें कि शरारती तत्वों ने यहां करीब आधा दर्जन डस्टबिन और तीन कुर्सियों को तोड़ने के साथ ही सड़क और पाथ-वे के बीच बनी सीमेंट लाइनिंग को भी तोड़ दिया। दो महीने पहले अटल पथ पर हुई तोड़फोड़ मामले में नगर निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने टीटी नगर थाने में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में एफआइआर कराई थी।

रोटरी से टकराने के बाद कार डिवाइडर से भिड़ी, जीजा-साले की मौत

भोपाल। राजधानी में टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित रेडक्रास अस्पताल के पास शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार कार रोटरी से टकराने के बाद डिवाइडर में जा घुसी। इस हादसे में कार चालक और उसके बगल में बैठे उसके साले की हो गई। कार में पीछे बैठा उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों पुराने शहर से होटल में खाना खाकर वापस घर लौट रहे थे, तभी दुर्घटना का शिकार हो गए। टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक 31 वर्षीय मोहित नेरकर पुत्र किशोर नेरकर सेकंड स्टाप, तुलसी नगर में परिवार के साथ रहता?था। शुक्रवार रात को वह अपने साले कुरवाई, जिला विदिशा निवासी 30 वर्षीय सौरभ सोनी पुत्र दिनेश सोनी और अपने दोस्त रवि वर्मा के साथ पुराने शहर में होटल में खाना खाने गया था। वहां से तीनों कार से खाना खाकर वापस घर लौट रहे थे। कार मोहित चला रहा?था। करीब 12 बजे के आसपास उनकी कार रेडक्रास अस्पताल के पास पहुंची, तभी रफ्तार अधिक होने के कारण चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख पाया और कार स्पीड ब्रेकर से उछलने के बाद कार पहले शिवाजी महाराज की प्रतिमा वाली रोटरी से जाकर टकराई और इसके बाद डिवाइडर में जा घुसी।

भोपाल में गुलाब प्रदर्शनी

450 से ज्यादा किस्म, बटन, स्टैंडर्ड समेत तमाम वैरायटीज

भोपाल। राजधानी भोपाल के लिंक रोड नंबर-1 स्थित गुलाब उद्यान में शनिवार से 42वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी शुरू हुई। दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में देश और प्रदेश से साढ़े चार सौ से ज्यादा प्रजाति के 5 हजार गुलाब के फूल दिखाई दे रहे हैं। इनमें बटन, बड़े और स्टैंडर्ड वैरायटियां भी शामिल हैं। गुलाबों की रॉयल फैमिली अलग से सजाई गई हैं।

मध्यप्रदेश राज सोसायटी और उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण डायरेक्टेट 7 और 8 जनवरी को गुलाब प्रदर्शनी लगा रहा है। सुबह 9 बजे से प्रदर्शनी शुरू हो गई। दिनभर लोग प्रदर्शनी में गुलाबों को देखने पहुंचे।

भोपाल में शनिवार से दो दिवसीय गुलाब प्रदर्शनी लगी। इससे पहले शुक्रवार को गुलाब के गमलों का प्रदर्शन किया गया।

देखने और खरीदने के लिए अलग-अलग

मप्र रोज सोसायटी के सदस्य शैलेष अग्रवाल ने बताया कि देखने और खरीदने के लिए गुलाबों के अलग-अलग स्टॉल लगे हैं। प्रदर्शनी में देश-प्रदेश से उत्पादक अपने रोज लेकर आएंगे। वहीं, बेचने के लिए अलग से स्टॉल लगे हैं। अन्य फूल और आर्गेनिक सामान भी खरीद सकेंगे।

सरकारी-प्राइवेट गमलों की प्रदर्शनी लगी

गुलाब प्रदर्शनी से पहले शुक्रवार को सरकारी और प्राइवेट गमलों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें 300 वैरायटी के गुलाब थे। 500 से ज्यादा गमलों को उत्पादक लेकर आए थे।

वन स्टॉप सेंटर इंदौर की मदद से युवती सकुशल पश्चिम बंगाल पहुँची

सभी जिलों में कार्यरत है वन स्टॉप सेंटर

भोपाल। महिलाओं एवं बालिकाओं को आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिये प्रदेश के सभी 52 जिलों में बनाये गये वन स्टॉप सेंटर बेहतर कार्य कर रहे हैं। इंदौर के वन स्टॉप सेंटर ने गत दिनों पश्चिम बंगाल से इंदौर आयी एक युवती की मदद करते हुए सकुशल उसके घर पहुँचाया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और बालाघाट के लिये और 4 नये वन स्टॉप सेंटर स्वीकृत किये गये हैं। वन स्टॉप सेंटर इंदौर से प्राप्त जानकारी अनुसार कूचविहार (पश्चिम बंगाल) की एक महिला अपनी छोटी बेटी के साथ सोशल मीडिया फ्रेंड के बहकावे में आकर इंदौर आ गयी। बताए गए स्थान पर फ्रेंड के न मिलने पर परेशान युवती को महिला थाना इंदौर द्वारा मदद कर वन स्टॉप सेंटर पहुँचाया गया। सेंटर पर महिला की काउंसलिंग के बाद महिला-बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन इंदौर ने महिला के परिजन से सम्पर्क किया।

प्लेन क्रैश की क्या थी वजह? हादसे के कारणों का पता लगाएगी टीम, दिल्ली और मुंबई से बुलाये गए एक्सपर्ट

भोपाल/रीवा। रीवा में हुए विमान हादसे के बाद दुर्घटना की जांच करने मुंबई ,भोपाल , दिल्ली से जांच टीम रीवा पहुंची है। टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही दुर्घटना के पीछे की वजह के साथ-साथ अन्य पहलुओं की जांच भी की जा रही है जिससे हादसे की असली वजह का पता चल सके। कोहरे की वजह से रीवा के उमरी गांव में गुरुवार की देर रात दो सीटर प्लेन मंदिर के शिखर से टकराकर क्रैश हो गया था। इस हादसे में पायलट विमल कुमार की मौत हो गई थी, जबकि ट्रेनी सोनू कुमार गंभीर रुप से घायल हो गया था। रीवा हवाई पट्टी पर फाल्कन ट्रेनिंग एकेडमी का प्लेन छात्रों को प्रशिक्षण दे रहा था। प्लेन ने गुरुवार रात उड़ान भरी थी। रात करीब 12 बजे पायलट लैंडिंग का प्रयास कर रहा था लेकिन कोहरे की वजह से वह रुट भटक गया। रनवे से एक किमी पहले प्लेन पहले पेड़ से फिर छत की बाउंड्रीवॉल से फिर पेड़ और आखिर में मंदिर के शिखर से टकराने के बाद गिर गया। हादसे में मंदिर का शिखर टूट गया और प्लेन का मलबा बिखर गया।

इस हादसे के बाद मौके पर एडीजी केपी व्यंकटेश्वर राव और संभागायुक्त अनिल सुचारी सहित जिला कलेक्टर मनोज पुष्प, एसपी नवनीत भसीन मौके पर पहुंचने के साथ ही अस्पताल पहुंचकर बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान किए थे।

मध्य प्रदेश में सूअरों की मौत से मची दहशत, पोस्टमार्टम में स्वाइन फ्लू की पुष्टि

भोपाल/शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में स्वाइन फ्लू के डर से हड़कंप मचा हुआ है। पिछले कुछ महीनों से लगातार सूअरों की मौत हो रही है। अधिकारियों ने सूआरों का पोस्टमार्टम कराया तो रिपोर्ट में मौत की वजह स्वाइन फ्लू निकली। पशु चिकित्सा विभाग ने इसकी पुष्टि की है। मिली जानकारी के मुताबिक, दो सूअरों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। दोनों ही सैंपल में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है।

गौरतलब है कि शहर में लगातार सूअरों की मौत हो रही थी। कुछ सूअरों को स्थानीय लोग नगर पालिका ले गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ केशव सिंह सागर ने पशु चिकित्सालय में इसकी जानकारी दी। इसके बाद दो सूअरों का पोस्टमार्टम करवाया गया। उनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए। आज यानी शुक्रवार को दोनों सूअरों की रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। मामले की जांच से जुड़े डॉक्टर एमसी तमोली ने कहा कि दो सैंपल में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। जांच के लिए और सैंपल नहीं भेजे जाएंगे क्योंकि सभी सूअरों की मौत स्वाइन फ्लू की वजह से ही हो रही है। स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं।

जिले के सभी सूअरों को पकड़ने की तैयारी की जा रही है। ये वायरस अन्य जगहों पर न फैले इसके लिए कई टीमें गठित की गई हैं। नगर निगम ने लोगों को चेताया है कि साफ-सफाई के साथ लापरवाही न बरतें। साथ ही अगर कहीं कोई बीमार या मृत सूअर मिलता है तो इसकी जानकारी नगर निगम को दें।

90% PET BOTTLES PRODUCED IN INDIA ARE RECYCLED.

100 crore+ garments & home textiles in India are made from recycled PET bottles

Over 70 lakh people are economically associated with Indian PET industry directly or indirectly, supporting circular economy

PET is safe. PET contains NO BPA, phthalates or heavy metals. It has NO endocrine disruptors and is non-carcinogenic. [Report from CFTRI - A CSIR Institution]

PET IS ECO-FRIENDLY WITH LOW GLOBAL WARMING POTENTIAL (GWP)

PET is lightweight. Reduces emissions, saves fuel.

Low Carbon footprint vis-à-vis alternatives. Greener & eco-friendly.

Uses less water in production and through the value chain. Preserves scarce natural resource.

Costs 50% less vis-à-vis alternatives.

India has one of the highest PET recycling rates globally
[Disclaimer: The pictorial representation of the map of India does not purport to be the political map of India.]

PET IS A WONDER MATERIAL. IT IS SAFE, ENVIRONMENTALLY FRIENDLY AND THE MOST WIDELY RECYCLED PACKAGING PRODUCT IN INDIA.

PACE
PET Packaging Association for Clean Environment
FOR A GREENER EARTH

PACE is committed to recycling.
www.paceindia.org.in | info@paceindia.org.in

संपादकीय

कांग्रेस और किसान

राहुल गांधी 3 हजार किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो पद यात्रा को कुछ और ताकत मिली है। किसानों, नेताओं की यात्रा में हिस्सेदारी अपना वजूद साबित करती है। आरएलडी के नेता यात्रा में आए। बसपा और सपा ने राहुल की यात्रा के प्रति शुभकामनाएं दीं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता यात्रा में शामिल हुए हैं। किसानों की समस्या एक बड़े आंदोलन के बावजूद अधर में लटकी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भविष्य में किसान आंदोलन की ताकत कांग्रेस से मिलने का एक पन्ना यात्रा ने रंग दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी (वाड्रा) ने कांग्रेस की कमान सम्हाली थी। उन्हें देखने-सुनने भीड़ उमड़ पड़ी थी। बुजुर्ग महिलाएं तथा कुछ अन्य तबके के लोग उनमें इंदिरा गांधी की छवि देखते थे। राहुल गांधी भी यदा-कदा अपनी दादी को याद कर लेते हैं। कोशिश यदि कार्यकर्ताओं की ओर से की जाए तो इंदिरा गांधी की छवि तथा उनके द्वारा सम्पादित किए जाने के कार्यों को उजागर करते हुए भारत जोड़ो यात्रा को और महत्वपूर्ण तथा फायदा दिये-दिलाये जाने के रूप में सफलता मिलना संदिग्ध नहीं है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी और उनकी चचेरी बहन प्रियंका के बीच बातचीत होती रहती है। भाजपा में सांसद रहते हुए भी वरुण गांधी ने एक से ज्यादा बार किसान आंदोलन का समर्थन किया था। राजनीति के रंग और खेल अबूझ पहेली की तरह होते हैं। इस प्रसंग में बहुत कुछ छिपा हुआ कहा जाना, भले ही अतिश्योक्ति हो, लेकिन माहौल और मिजाज इसकी पृष्ठभूमि में मौजूद कहना कुछ ही सही सच होने की संभावना है।

इसी महीने 26 तारीख को भारत गणतंत्र दिवस मनायेगा। देश का संविधान इसी दिन से प्रभावशील हुआ था। इन दिनों राहुल गांधी की भारत जोड़ो पद यात्रा चर्चा में बनी हुई है। भाजपा और उसके छोटे-बड़े नेता, कार्यकर्ता राहुल गांधी पर लगातार कटाक्ष करते थकते नहीं हैं। एक सवाल पूछा जा सकता है कि जब राहुल का कोई वजन देश की राजनीति में नहीं है तो उनसे डरने की किसी को क्या जरूरत है? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को यात्रा के दौरान अच्छा समर्थन मिल रहा है। शायद इसका डर ही भाजपा एवं केन्द्र सरकार को अंदर ही अंदर सता रहा है। पद यात्रा को समाज के सभी लोगों की यात्रा के रूप में मान्यता मिल गई है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि दिल्ली का रास्ता (सरकार का) लखनऊ होकर जाता है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को इस यात्रा का अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद ऊंची हुई है, भले ही इसे राजनीतिक यात्रा नहीं माना जा रहा है। जिस देश में हर बात को राजनीतिक चश्मे से देखने का चलन है, वहां राजनीतिक पृष्ठभूमि में भारत जोड़ो यात्रा के उत्पन्न होने वाले प्रभाव को दरकिनार कैसे और क्यों किया जा सकता है?

मन्त्री के विचारों की आजादी

आदित्य चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से जो फैसला दिया है कि सरकार के किसी मन्त्री के व्यक्तिगत बयान पर सामूहिक मन्त्रिमंडलीय जिम्मेदारी के सिद्धान्त को आंख मीच कर लागू नहीं किया जा सकता है, कई मायनों में ऐसे सवाल खड़े करने वाला है जिनसे लोकतन्त्र की संसदीय प्रणाली के स्वीकार्य नियमों के बारे में नये सवाल खड़े हो सकते हैं परन्तु भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के जिस मौलिक अधिकार को स्वीकार किया गया है उसे देखते हुए यह फैसला सार्वजनिक जीवन के कई ऐसे पक्षों पर नये सिरे से विचार करने के लिए बाध्य करता है, जिन्हें लेकर अक्सर मन्त्रियों द्वारा व्यक्त विचारों को सरकार के विचार के रूप में देखा जाता है और इनकी आलोचना भी होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक पेंच खड़ा किया है कि सरकार के फैसलों के बारे में मन्त्री जो वैयक्तिक बयान देते हैं उसे सामूहिक जिम्मेदारी की श्रेणी में डाला जा सकता है परन्तु जो बयान वे व्यक्तिगत तौर पर देते हैं उसे सरकारी नीति का अंग नहीं माना जा सकता। क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का अधिकार है। इस पर अंकुश केवल संविधान के 19(2) अनुच्छेद में निहित प्रावधानों के तहत ही लग सकता है जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता आदि को लेकर हैं। मगर संविधान की पीठ की न्यायमूर्ति श्रीमती बी.वी. नागरत्ना ने इस फैसले से अलग अपना फैसला देते हुए कहा है कि सरकार में रहते हुए किसी मन्त्री का नागरिकों के बीच घृणा फैलाने वाला बयान अलग श्रेणी में रखने की जरूरत है और इसके लिए संसद को पृथक कानून बनाना चाहिए। हालांकि उन्होंने भी माना है कि अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता पर अतिरिक्त अंकुश नहीं लगाया जा सकता है।

मूल सवाल यह है कि सरकार में जिम्मेदार मन्त्री पद पर रहते हुए किसी व्यक्ति का संवैधानिक व नैतिक दायित्व क्या रहता है? अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का सीधा सम्बन्ध क्या इस दायित्व से होता है अथवा नहीं? जाहिर तौर पर प्रत्येक मन्त्री मन्त्रिमंडल के फैसले से बन्धा होता है क्योंकि जो भी फैसला किया जाता है उसे सर्वसम्मत समझा जाता है। संसद के भीतर मन्त्री जो भी वक्तव्य देता है उसे सरकार की नीति व उसका फैसला समझा जाता है, मगर संसद से बाहर जब वह विभिन्न विषयों पर अपनी राय व्यक्त करता है तो संविधान पीठ के बहुमत की राय में सरकार की नीति नहीं कहा जा सकता क्योंकि मन्त्री अपनी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार का उपयोग करता है। यह सवाल दीगर है कि इस अधिकार की सीमाएं क्या हो सकती हैं? क्या इस अधिकार का प्रयोग नागरिकों के बीच घृणा फैलाने तक हो सकता है? यह सवाल न्यायमूर्ति नागरत्ना ने खड़ा किया है।

हमें याद रखना होगा कि भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू देश के प्रथम लोकसभा चुनावों से पहले जब संविधान में पहला संशोधन लाये थे तो वह अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अनुच्छेद के मुतल्लिक ही था। उनके इस प्रस्ताव का तब कानून मन्त्री पद पर आसीन बाबा साहेब अम्बेडकर ने भी समर्थन किया था और कहा था कि विचार व्यक्त करने की आजादी के 'रौ' में वह यह भूल ही गये थे कि लोकतान्त्रिक भारत में हिंसक या वैमनस्य पैदा करने के विचारों के प्रतिपादन की आजादी देश की एकता व अखंडता के सूत्र पर आघात कर सकती है। अत: पं. नेहरू ने पहला संशोधन करके लाजिमी कर दिया था कि केवल अहिंसक विचारों के प्रतिपादन की छूट ही स्वतन्त्र भारत में होगी और इस संशोधन के बाद ही भारत के कम्युनिस्टों ने देश की संसदीय प्रणाली और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की थी। जबकि इस पहले संशोधन को हिन्दू महासभा ने पीयूसीएल संस्था के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। अत: वर्तमान में पूरे मामले पर गंभीर विचार करते हुए हमें ऐतिहासिक तथ्यों की तरफ भी ध्यान देना होगा। इसके साथ यह भी विचारणीय विषय है कि एक मन्त्री की संसद के बाहर होने पर हैसियत नहीं बदलती है और वह सरकार का अंग ही रहता है। लेकिन यह भी सत्य है कि एक मन्त्री भी स्वतन्त्र भारत का सबसे पहले नागरिक ही होता है और उसके पास वे सभी अधिकार भी होते हैं जो संविधान एक सामान्य नागरिक को देता है। इसे देखते हुए संविधान पीठ का बहुमत का फैसला नागरिकों के मूल अधिकारों का पोषक लगता है मगर सरकार की जिम्मेदारी विवेचना में मन्त्री व सामान्य नागरिक के तकनीकी भेद को समाप्त करता भी लगता है।

संसदीय व्यवस्था के स्वीकार्य सिद्धान्त के अनुसार मन्त्रिमंडल का प्रत्येक सदस्य सरकार की सामूहिकता के नियम से बन्धा होता है । यह सामूहिक जिम्मेदारी जब व्यक्तिगत स्तर पर उतरती है तो संसद से बाहर मन्त्री एक नागरिक के रूप में अपने अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार का प्रयोग करने के लिए स्वतन्त्र होता है परन्तु उस पर भी अनुच्छेद 19(2) के विचारों की अभिव्यक्ति पर अंकुश के वे प्रावधान लागू होते हैं जो सामान्य नागरिकों या सार्वजनिक जीवन में संलग्न अन्य व्यक्तियों पर लागू होते हैं तो घृणा मूलक विचारों के प्रसार पर अंकुश स्वत: लग जाता है। इस सन्दर्भ में भारत की दंड संहिता की विभिन्न धाराएं लागू होती हैं जिससे मन्त्री अपने सरकारी औहदे के विशेषाधिकार खो देता है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आ चुका है कि घृणा फैलाने वाले वक्तव्यों का संज्ञान प्रशासन को स्वयमेव लेकर उन पर यथोचित कार्रवाई करनी चाहिए। इसके बाद देश का कानून अपना कार्य करता है जो एक मन्त्री से लेकर सन्तरी के लिए बराबर होता है।

ब्लॉकचेन : भविष्य की प्रद्योगिकी को बदल पाएगी ये तकनीक?

डॉ मनीष मित्तल

ब्लॉकचेन तकनीक एक विकेंद्रीकृत डिजिटल लेजर है जो कई कंप्यूटरों पर लेनदेन रिकॉर्ड करता है, जिससे यह वस्तुत: छेड़छाड़-मुक्त हो जाता है। यह पहली बार 2008 में क्रिप्टोक्यूरेंसी बिटकॉइन के पीछे अंतर्निहित तकनीक के रूप में पेश किया गया था। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के मुख्य लाभों में से एक इसकी लेनदेन का एक सुरक्षित और पारदर्शी रिकॉर्ड प्रदान करने की क्षमता है। जब ब्लॉकचेन पर लेनदेन किया जाता है, तो इसे नेटवर्क पर कई कंप्यूटरों द्वारा सत्यापित किया जाता है और एक ब्लॉक के रूप में लेजर में जोड़ा जाता है। इन ब्लॉकों को फिर एक श्रृंखला में एक साथ जोड़ा जाता है, जिससे नेटवर्क पर होने वाले सभी लेनदेन का एक अटूट रिकॉर्ड बनता है।

चूंकि बहीखाता विकेंद्रीकृत है और कई कंप्यूटरों के बीच वितरित किया गया है, इसलिए किसी एक व्यक्ति या इकाई के लिए रिकॉर्ड को बदलना लगभग असंभव है। यह डेटा संग्रहित करने और सत्यापित करने के लिए इसे एक अत्यधिक सुरक्षित और विश्वसनीय प्रणाली बनाता है। इसकी सुरक्षा और पारदर्शिता के अलावा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी में दक्षता बढ़ाने और विभिन्न उद्योगों में लागत को कम करने की क्षमता भी है। उदाहरण के लिए, वित्तीय उद्योग में, ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग तेजी से और सस्ते सीमा पार भुगतान की सुविधा के साथ-साथ ट्रेडों को साफ़ करने और निपटाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए किया जा सकता है। आपूर्ति श्रृंखला उद्योग में, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग माल के आंदोलन को ट्रैक करने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है ताकि उन्हें नैतिक और स्थायी रूप से उत्पादित और परिवहन किया जा सके। यह कचरे को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला की समग्र दक्षता में सुधार करने में मदद कर सकता है। ब्लॉकचेन तकनीक का एक और संभावित उपयोग स्मार्ट अनुबंधों के क्षेत्र में है। स्मार्ट अनुबंध खरीदार और विक्रेता के बीच समझौते की शर्तों के साथ स्व-निष्पादित अनुबंध हैं जिन्हें सीधे कोड की लाइनों में लिखा जाता है। इन अनुबंधों को ब्लॉकचेन पर लागू किया जा सकता है और स्वचालित रूप से भी लागू किया जा सकता है, मध्यस्थों की आवश्यकता को कम करता है और अनुबंध निष्पादन की गति और दक्षता को बढ़ाता है।

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के कई संभावित लाभों के बावजूद, कुछ चुनौतियां भी हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। एक बड़ी चुनौती स्केलेबिलिटी का मुद्दा है। वर्तमान में, ब्लॉकचेन नेटवर्क की क्षमता सीमित है, जिससे धीमी लेनदेन गति और उच्च शुल्क हो सकता है। यह लंबी अवधि में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने में बाधा डालने की क्षमता रखता है। इसकी नियामक चुनौतियां भी हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है, क्योंकि दुनियाभर की सरकारें ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की विकेंद्रीकृत प्रकृति और इसे विनियमित करने के तरीके के साथ आने के लिए संघर्ष करती हैं। अंत में, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी में लेनदेन का एक सुरक्षित और पारदर्शी रिकॉर्ड प्रदान करके, दक्षता बढ़ाकर और लागत को कम करके उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में क्रांति लाने की क्षमता है। जबकि चुनौतियों को संबोधित किया जाना है, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के लिए भविष्य उज्ज्वल दिखता है और आने वाले वर्षों में इसके बढ़ने और विकसित होने की संभावना है।

पूरी दुनिया में बजेगा भारत के मोटे अनाज का डंका

मृत्युंजय दीक्षित

एक जनवरी 2023 से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष आरम्भ हो गया है इसके फलस्वरूप सभी घरों की थालियों से गायब हो चुके मोटे अनाज के दिन फिर से बहुरने वाले हैं। मोटा अनाज और उनकी कृषि को प्रोत्साहन देने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने कमर कस ली है। भारत इस वर्ष शंघाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (एससीओ) तथा जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय समूहों की अध्यक्षता कर रहा है। देश के 55 शहरों में जी-20 सम्मेलन होने जा रहे हैं इसके अतिरिक्त भी इस वर्ष कई मेगा इवेंट देश में होने जा रहे हैं। मोटे अनाज को प्रोत्साहन देने के लिए इन अवसरों का भरपूर लाभ लिया जायेगा। सभी सम्मेलनों में कृषि मंत्रालय व खाद्य मंत्रालय तथा राज्य सरकारों के सहयोग से मोटे अनाजों से बने उत्पादों का ही प्रदर्शन किया जायेगा व देश विदेश से आ रहे सभी अतिथियों को मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसे जाएंगे जिससे उनका डंका विश्व भर में बजना तय हो गया है।

मोटे अनाज का प्रचलन बढ़ने से जनसामान्य सहित किसानों को लाभ मिलने की बड़ी सम्भावना है। एक ओर इससे कुपोषण की समस्या से निपटने का नया और सरल मार्ग मिलेगा वहीं दूसरी ओर इससे किसानों की आय दोगुनी होने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। यही कारण है कि मोटा अनाज वर्ष में एक ओर किसानों को इन अनाजों की खेती करने के लिए जागरूक किया जाएगा और दूसरी ओर लोगों को मोटे अनाज के महत्व से अवगत कराया जाएगा जिससे इनकी खपत बढ़े और किसान इनकी खेती में रूचि दिखाएं। इसके अतिरिक्त मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इस वर्ष मोटे अनाज के समर्थन मूल्यों में भी वृद्धि कर दी है।

एक समय था जब भारत की हर थाली में केवल ज्वार, बाजरा, रागी, चीना, कोदो, सांवा, कुटकी, कुट्टू और चौलाई से बने हुए व्यंजन ही हुआ करते थे लेकिन फिर समय बदलता गया और आज स्थिति यह हो गयी है कि लोग इन अनाजों का महत्व तो दूर नाम भी भूल गए हैं। आज के वातावरण में जब घरों में बड़े बुजुर्ग इन अनाजों का नाम लेते हैं या नई पीढ़ी को इनका महत्व बताते हैं तो या तो वो अचरज से सुनती है या नाम सुनते ही मुंह बनाने लगती है। मोटा अनाज वर्ष के माध्यम से नई पीढ़ी के लोग भी इन अनाजों का वैज्ञानिक आधार पर महत्व समझेंगे और स्वीकार करेंगे, जब स्वीकार करेंगे तब वह भी इनकी खेती और इनसे बने नये व्यंजनों को बनाकर स्टार्टअप्स व नवाचार भी कर सकेंगे। पिछले कुछ दिनों की चर्चा से ही देश के कई युवा उद्यमियों ने ज्वार, बाजरा सहित अन्य मोटे अनाज से बनने वाले कई तरह के व्यंजनों पर नवाचार आरम्भ भी कर दिया है। ज्वार, बाजरा के आटे से दोसा बन रहा है, लड्डू बन रहा है और पापड़ भी बन रहे हैं। दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनियाभर के राजदूतों को मोटे अनाज से बने व्यंजनों की दावत दी, राजधानी दिल्ली में संसद सत्र के दौरान सभी सांसदों को मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसे गये और उन्हें मोटा अनाज वर्ष के विषय में अहम जानकारी दी गई। अब मोटे अनाज की दावतों का सिलसिला सम्पूर्ण भारत ही नहीं वरन सम्पूर्ण विश्व में चल रहा है।

2018 में भारत सरकार ने मोटे अनाजों को पोषक अनाज की श्रेणी में रखते हुए इन्हें बढ़ावा देने की शुरुआत की थी तब से सरकार की ओर से उठाये गये कदमों का सकारात्मक प्रभाव अब सामने आने लगा है। वर्तमान समय में 175 स्टार्टअप इस दिशा में काम कर रहे हैं। मार्च 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत की ओर से प्रस्तुत एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया जिसके अंतर्गत 2023 को मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया। मोटा अनाज वर्ष का उद्देश्य बदलती जलवायु परिस्थितियों में मोटे अनाज के पोषण और स्वास्थ्य लाभ और इसकी खेती के लिए उपयुक्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

मोटे अनाज में ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कुटकी, कोदो, सांवा आदि शामिल हैं। हम सभी को यह भी पता होना चाहिए कि अप्रैल 2016 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भूख को मिटाने और दुनियाभर में कुपोषण के सभी प्रकारों की रोकथाम की आवश्यकता को मान्यता देते हुए 2016 से 2025 तक पोषण पर संयुक्त राष्ट्र कार्रवाई दशक की भी घोषणा की थी। मोटा अनाज उपभोक्ता, उत्पादक व जलवायु तीनों के लिए अच्छा माना गया है। ये पौष्टिक होने के साथ कम पानी वाली सिंचाई से भी उगाए जा सकते हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कुपोषण मुक्त और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिये मोटे अनाज की अहम भूमिका होगी और इसके लिए देशों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

मोटे अनाज को प्रोत्साहन वर्तमान समय की मांग भी है क्योंकि यह अनाज आधुनिक जीवन शैली में बदलाव के कारण सामने आ रही कई बीमारियों व कुपोषण को रोकने में सक्षम है। केंद्र सरकार ने मोटा अनाज वर्ष को सफल बनाने के लिए काफी समय पूर्व से ही तैयारियां प्रारंभ कर दी थीं और अब यह सफलतापूर्वक धरातल पर उतरने को तत्पर हैं। राशन प्रणाली के तहत मोटे अनाजों के वितरण पर जोर दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी और मध्याह्न भोजन योजना में भी मोटे अनाजों को शामिल कर लिया गया है। प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का उल्लेख करते रहते हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि अब मोटा अनाज, खाओ और प्रभु के गुण गाओ का नारा खूब चलने वाला है। मोटा आनाज पोषण का सर्वश्रेष्ठ आहार कहा जाता है। मोटे अनाज में 7 से 12 प्रतिशत प्रोटीन, 65 से 75 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 15 से 20 प्रतिशत डायटरी फाइबर तथा 5 प्रतिशत तक वसा उपलब्ध रहता है जिसके कारण यह कुपोषण से लड़ने में सक्षम पाया जाता है। मोटे अनाज का आयुर्वेद में भी बहुत महत्व है। भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही मोटे अनाज की खेती के प्रमाण मिलते हैं तथा विश्व के 131 देशों में इनकी खेती होती है। मोटे अनाज के वैश्विक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत और एशिया में 80 प्रतिशत है।

देशी व्यायाम पद्धति, कुश्ती कला के जानकार और पक्षधर, स्व. खलीफा गनेश जायसवाल

प्रतुल श्रीवास्तव

देशी व्यायाम पद्धति व कुश्ती कला के विशेषज्ञ और पक्षधर खलीफा स्व.गनेश प्रसाद जायसवाल जी का नाम नगर के कुश्ती प्रेमियों और पहलवानों के बीच बड़ी श्रद्धा और सम्मान से लिया जाता है । 10 जनवरी 1920 से जीवन यात्रा शुरू करने वाले नया मोहल्ला निवासी गनेश जायसवाल जी की रुचि बचपन से ही व्यायाम और कुश्ती कला में पारंगत होने की हो गई। उन्होंने शिक्षा के साथ ही स्व.रामप्रसाद उस्ताद मुल्तानी व्यायाम शाला में व्यायाम करना और मल्लविद्या का प्रशिक्षण लेना जारी रखा। समय बीतता रहा और कुश्ती कला के क्षेत्र में उनकी यश कीर्ति बढ़ती रही। उन्होंने एक सुयोग्य दांव पेंच के जानकार पहलवान के रूप में न सिर्फ स्वयं नाम कमाया वरन आजीवन नगर के बच्चों और युवाओं को स्वास्थ्य का महत्व बताते हुए उन्हें देशी व्यायाम पद्धति अपनाने की प्रेरणा दी। इसलिए ही खलीफा गणेश जायसवाल जी को देशी व्यायाम पद्धति और कुश्ती कला के संरक्षण-संवर्धन के लिए भी याद किया जाता है। वर्षों पूर्व एक समय ऐसा था जब गनेश जी के सहयोग, संयोजन और नेतृत्व में जबलपुर नगर में स्थानीय स्तर की मल्ल प्रतियोगिताएं तो चलती ही रहती थीं साथ ही राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के दंगल और फ्रीस्टाइल कुश्तियां भी जब तब होती रहती थीं। इनका बहुत बड़ा दर्शक वर्ग था। देश विदेश के नामी पहलवानों की कुश्तियां देखने आसपास के नगरों कस्बों से हजारों की संख्या में लोग आया करते थे। दंगलों के आयोजन में जबलपुर का देशभर में बड़ा नाम था। गनेश पहलवान के साथी और प्रशंसक स्व.प्रो.जवाहरलाल चौरसिया तरुण जी ने लिखा है कि गनेश जी बच्चों को न सिर्फ कुश्ती वरन कबड्डी और खो-खो का प्रशिक्षण भी देते थे इनसे प्रशिक्षित टीमें सदा जीत कर आती थीं । गनेश जी और सत्तू पहलवान स्वयं भी दंगलों में शामिल होते और अपनी दांव पेंचों भरी मल्ल कला से लोगों को अचंभित कर देते। गनेश पहलवान के अखाड़े के साथी सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. गार्गी शरण मिश्र मराल ने लिखा है - खलीफा गनेश पहलवान हमारे प्रशिक्षक थे। नाग पंचमी के दिन हमारा अखाड़ा नगर भ्रमण करते हुए विभिन्न प्रकार के व्यायाम प्रदर्शन करता था। गनेश जी ने पल्टन, काशी, भगवानदास यादव, राम भाई जैसे हुनरमंद पहलवान तैयार किये।

आज 6 जनवरी स्मृति आयोजन पर विशेष

खलीफा गनेश जी ने पटा, बनेटी, बाना, तलवार आदि घुमाने, व्यायाम/योगासन प्रदर्शन, कलाबाजी और मानव पिरामिड बनाने आदि की कलाओं को भी संरक्षित-प्रोत्साहित किया। देशी व्यायाम और कुश्ती कला के लिए आजीवन समर्पित रहे खलीफा गनेश पहलवान ने अपनी जीवन यात्रा को 19 नवंबर 2011 को विराम दिया। गुंजन कला सदन एवं पी एम जी शिक्षा-कला शोध समिति जबलपुर द्वारा खलीफा गनेश पहलवान की स्मृति में प्रति वर्ष उनके जन्म दिवस एवं स्मृति दिवस को देशी व्यायाम पद्धति एवं कुश्ती कला के संरक्षण-संवर्धन को समर्पित करते हुए व्यायाम प्रदर्शन किए जाते हैं, अखाड़ों और पहलवानों को सम्मानित किया जाता है। खलीफा गनेश पहलवान को सादर नमन।

हल्द्वानी पोस्टेड के स्वरूप ने साबित किया- 'शाहीन बाग' संयोग नहीं प्रयोग था जो कि दोहराया जा रहा

नीरज कुमार दुबे

अवैध कॉलोनियों से जब भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है तो उसे सियासी लोग धार्मिक रंग देने का काम करते हैं। दिल्ली में पिछले साल एमसीडी का बुलडोजर शाहीन बाग समेत कई अन्य इलाकों में पहुँचा तो इस कार्रवाई को एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ अभियान करार दिया गया। अब उत्तराखंड चर्चा में है क्योंकि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की जमीन पर बनी अवैध कॉलोनी से कब्जा हटाने का जो आदेश उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने दिया है उसके खिलाफ सियासत शुरू हो गयी है। एकदम शाहीन बाग के आंदोलन की तर्ज पर महिलाओं और बच्चों को ठंड के मौसम में आगे कर प्रदर्शन करवाया जा रहा है, कैंडल मार्च निकाले जा रहे हैं। यहाँ हमें समझना होगा कि सरकारी जमीन सार्वजनिक संपत्ति होती है किसी एक की बपौती नहीं। सरकारी जमीन से कब्जा छुड़वाने के प्रयास को अन्याय का रूप देना गलत है। देश संविधान से चलता है ना कि भावनात्मक या धार्मिक आधार पर। अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँच चुका है तो नेताओं को बड़बोले बयान देने की बजाय अदालत के आदेश का इंतजार करना चाहिए। वैसे हल्द्वानी में आंदोलन का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उससे एक बात साबित हो गयी है कि शाहीन बाग कोई संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था जोकि अब जगह-जगह दोहराया जा रहा है।

जहां तक हल्द्वानी मामले की बात है तो आपको बता दें कि अवैध कॉलोनी बताये जा रहे बनभूलपुरा के पांच हजार से ज्यादा घरों पर संकट मंडराने लगा है क्योंकि रेलवे ने अपनी जमीन पर कब्जा छुड़ाने के लिए जो याचिका दायर की थी उस पर सुनवाई के बाद उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने जमीन खाली कराने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद सियासत ऐसी शुरू हो गयी है कि इस पहाड़ी राज्य के नेताओं से लेकर हैदराबाद के ओवैसी तक इस मामले में कूद गये हैं। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुँच चुका है और पांच जनवरी को इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका स्थानीय निवासियों के साथ हल्द्वानी के कांग्रेस विधायक ने दाखिल की है। उनके वकील सलमान खुर्शीद हैं। दूसरी याचिका वकील प्रशांत भूषण ने दाखिल की है। रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस.ए. नजीर और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा सुनवाई करेंगे।

हम आपको बता दें कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 20 दिसंबर को हल्द्वानी में बनभूलपुरा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए ढांचों को गिराने के आदेश दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो जिला प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए पैरा मिलिट्री फोर्स की मदद ले, फिर भी कोई दिक्कत हो तो बलपूर्वक कार्रवाई की जाए। इसके बाद जगह खाली करने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों की मदद से नोटिस दिये गये। जिसके बाद हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में क्षेत्र के निवासियों ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। इलाके के लोगों का कहना है कि वे लोग इस क्षेत्र में 70 साल से रह रहे हैं। वहां 20 मस्जिदें, 9 मंदिर, पानी की टंकी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1970 में डाली गई एक सीवर लाइन, दो इंटर कॉलेज और एक प्राथमिक विद्यालय है इसलिए यह क्षेत्र अवैध कब्जे वाला नहीं है। इलाके के लोगों का कहना है कि हम प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करते हैं कि वे इस तथा-कथित अतिक्रमण को हटाने पर मानवीय पहलू से विचार करें। इलाके के लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर यह रेलवे की जमीन थी तो सरकार ने इसे पट्टे पर कैसे दिया था?

इस मामले में क्षेत्र के कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने कहा, करीब सौ साल से इस क्षेत्र में लोग बसे हुए हैं। यहां 70 साल पुरानी मस्जिदें और मंदिर हैं। यहां नजूल जमीन, पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि और लीजधारक हैं। उन्होंने कहा, रेलवे जिस 78 एकड़ जमीन को अपना बताता है, उसे खाली करने का विरोध करने के लिए हम व्यक्तिगत रूप से उच्च न्यायालय गये। हम उच्चतम न्यायालय भी गये जहां हमारे वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद मामले की पैरवी कर रहे हैं लेकिन जिस सरकार ने जमीन पर स्कूल एवं अस्पताल बनवाये, उसने अपने नागरिकों की कोई परवाह नहीं की।'' विधानसभा में हल्द्वानी सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे सुमित हृदयेश ने हाल में प्रदर्शनकारियों के धरने में भी हिस्सा लिया था। हम आपको बता दें कि यह सीट पारंपरिक रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं उनकी मां इंदिरा हृदयेश जीतती थीं।

जहां तक इस पूरे मामले का सवाल है तो आपको बता दें कि उत्तराखंड उच्च न्यायायल ने हल्द्वानी के इस इलाके में रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने का 20 दिसंबर को आदेश दिया था। न्यायालय ने अतिक्रमणकर्ताओं को वह जगह खाली करने के लिए एक हफ्ते का नोटिस देने का आदेश दिया था। हालांकि बनफूलपुरा के हजारों बाशिंदों ने अतिक्रमण हटाने का यह कहते हुए विरोध किया कि वे बेघर हो जायेंगे और स्कूल जाने वाले उनके बच्चों का भविष्य तबाह हो जाएगा।

इस बीच, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी अनुरोध किया है कि वे अतिक्रमण हटाने संबंधी इस आदेश पर मानवीय तरीके से विचार करें क्योंकि ऐसा होने पर हजारों लोग बेघर हो जाएंगे। उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम एक खुला पत्र लिखते हुए इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि कानूनी पक्ष के इतर मानवीय दृष्टिकोण से मामले में कोई बीच का रास्ता निकालना चाहिए। हरीश रावत ने अपने पत्र के माध्यम से सवाल भी किया है कि यदि 50 हजार से ज्यादा लोगों को हटाया जाएगा तो ये लोग कहां जाएंगे? हरीश रावत ने कहा है कि अशांति का वातावरण पूरे हल्द्वानी और कुमाऊं के अंचल में फैलेगा जोकि ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आज भले कुछ लोग चुप हों लेकिन जब स्थितियां बिगड़ेंगी तो वो लोग भी सरकार के विवेक पर उंगली उठाएंगे। हरीश रावत ने पत्र के माध्यम से चेतावनी भी देते हुए कहा है कि जहां तक सवाल हमारे कर्तव्य का है, तो हम केवल इतना भर कर सकते हैं कि जब घर तोड़ने के लिए हथौड़ा उठेगा तो हम उसके आगे बैठ सकते हैं।

वहीं एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि प्रधानमंत्री को इंसानियत की बुनियाद पर हल्द्वानी के लोगों की मदद करनी चाहिये और उन्हें वहां से नहीं निकालना चाहिए। उन्होंने सवाल किया है कि हल्द्वानी के लोगों के सर से छत छीन लेना कौन-सी इंसानियत है?

बहरहाल, मामला अब न्यायालय में है इसलिए प्रदर्शनकारियों को भी घरों में बैठना चाहिए और नेताओं को भी जुबान पर काबू रखना चाहिए साथ ही सोशल मीडिया पर तनाव बढ़ाने जैसी पोस्ट करने से भी बचना चाहिए। सांप्रदायिक सौहार्द्र कायम रख कर ही हम देश को आगे बढ़ा सकते हैं।

संतरा उत्पादन की उन्नत तकनीक

भूमि का चुनाव

संतरे की बागवानी हेतु मिट्टी की उपरी तथा नीचे की सतह की संरचना और गुणो पर ध्यान देने की आवश्यकता है बगीचा लगाने से पहले मिट्टी परिक्षण कर भविष्य में आने वाली समस्याओं का निदान कर बगीचे के उत्पादन व बगीचे की आयु में वृद्धि की जा सकती है ।

संतरे के पौधे

कलम खरीदने में सावधानिया संतरे के रोगमुक्त पौधे संरक्षित पौधशाला से ही लिये जाने चाहिए। यह पौधे मफाइटोप्थारा फंफूद व विषाणु रोग से मुक्त होते है । रंगपुर लाईम या जम्बेरी मूलवन्त तैयार कलमे किये हुए पौधे लिये चाहिए । कल मे रोगमुक्त तथा सीधी बढी होना चाहिए जिनकी उचाई लगभग 60 से. मी. हो तथा मूलवंत पर जमीन की सतह से बडिंग 25 से.मी उचाई पर की हो । इन कलमो में भरपूर तन्तूमूल जडे होना चाहिए , जमीन से निकालने में जडे टूटनी नही चाहिए तथा जडो पर कोई जख्म नही होना चाहिए ।

बगीचे की स्थापना

संतरे के पौधे लगाने के लिये 2 रेखांकन पदति का उपयोग होता है - वर्गाकार तथा षटभुजाकार पदति । षटभुजाकार पदति में 15 प्रतिशत पौधे वर्गाकार पदति की तुलना में अधिक लगाये जा सकते है । गढढे का आकार 75 ङ्ग 75 ङ्ग 75 से. मी. तथा पौधे को 6 ङ्ग 6मी. दूरी पर लगाना चाहिए । इस प्रकार एक हैक्टेयर में 277 पौधे लगाये जा सकते है हल्की भूमि में 5.5 ङ्ग 5.5 मी. अथवा 5 ङ्ग 5.मी. अंतर पर 300 से 400 पौधे लगाये जा सकते है । गढढे भरने के लिये मिट्टी के साथ प्रति गढढा 20 किलो सडी हुई गोबर की खाद के साथ 500 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट, 500 ग्राम नीम खली तथा 10 ग्राम कार्बेन्डाजिम का उपयोग करे ।

पौधो को लगाने के पूर्व उपचार व सावधानिया

पौधे की जडो को मेटालेक्जील एम जेड 72,2 2.75 ग्राम के साथ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधा लगाने के पहले 10-15 मिनट तक डूबोना चाहिए । पौधे लगाने के लिए जूलाई से सितंबर माह का समय उपयुक्त है ध्यान रखे कि कली का जोड जमीन की सतह से 25 से.मी. उपर रहे । जमीन से 2.5 से 3 फीट तक आवांछित शाखाओं को समय समय पर काटते रहे । बगीचो में अंतर फसले - संतरे के बगीचो में 6 साल के पश्चात् व्यवसायिक स्तर पर फसल ली जाती है । इस समय तक 6 ग 6 मीटर की काफी जगह खाली रह जाती है अतः कुछ उपयुक्त अंतरवर्ती दलहन फसले ली जा सकती है । कपास जैसी फसले जमीन से अधिक पोषक तत्व लेती है ।

उर्वरको का उपयोग

नत्रजनयुक्त उर्वरक की मात्रा को तीन बराबर भागों में जनवरी, जूलाई एवं नवम्बर माह में देना चाहिए । जबकि फास्फोरसयुक्त उर्वरक को दो बराबर भागों में जनवरी एवं जूलाई माह में तथा पोटाश युक्त उर्वरक को एक ही बार जनवरी माह में देना चाहिए ।

उर्वरको की मात्रा (ग्राम / पेड / वर्ष)

पौधो की आयु उर्वरक	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष एवं अधिक
नाइटोजन	1500	300	450	600
फास्फोरस	50	100	150	200
पोटाश	25	50	75	100

जलप्रबंधन

अधिक सिचाई से अधिक उत्पादन जैसी धारना सही नही है पटपानी से बगीचे को नुकसान होता है । गर्मी के मौसम में सिचाई 4 से 7 दिन तथा ठंड के मौसम में 10 से 15 दिन के अंतर में करना चाहिए । सिंचाई का पानी पेड के तने को नही लगना चाहिए । इसके लिए सिंचाई की डबल रिंग पदति का उपयोग करना चाहिए । टपक सिंचाई उत्तम विधि है इससे से पानी की 40 से 50 प्रतिशत बचत होती है तथा खरपतवार भी 40 से 65 प्रतिशत तक कम उगते है । पेडो की वृद्धि व फलो की गुणवत्ता अच्छी होती है तथा मजदूरो की बचत भी होती है।

खरपतवार नियंत्रण

एक बीजपत्रीय खरपतवार मे मोथा , दूबघास तथा कुश एवं द्वीबीजपत्री में चैलाई बथुआ,दूधी,कांग्रेस, घास मुख्यतः पाये जाते है खरपतवार निकलने से पहले -डायूरान 3 कि. ग्रा या सीमाजीन 4 किग्रा. सक्रिय तत्व के आधार पर प्रति हेक्टर के दर से जून महीने के पहले सप्ताह में मिट्टी पर प्रथम छिडकाव और 120 दिन के बाद सितंबर माह में दूसरा छिडकाव करने से बगीचा लगभग 10 माह

तक खरपतवारहित रखा जा सकता है खरपतवार निकलने के पश्चात् - ग्लायफोसेट 4 लीटर या पेराक्काट 2 लीटर 500 से 600 लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हैक्टर से उपयोग करे । जहा तक संभव हो खरपतवारनाशक फूल निकलने से पहले उपयोग करे । खरपतवारनाशक का प्रयोग मुख्य पौधो पर नही करना चाहिए ।

बहार उपचार (तान देना)

पेडो में फूल धारणा सूखने करने हेतु फूल आने की अवस्था में बहार उपचार किया जाता है । इस हेतु मृदा के प्रकार के अनुसार बगीचे में 1 से 2 माह पूर्व सिंचाई बंद कर देते है । इससे कार्बर्न नत्रजन अनुपात में सुधार आता है (नत्रजन कम होकर कार्बन की मात्रा बढ जाती है) कभी कभी सिंचाई बंद करने के बाद भी पेडो में फूल की अवस्था नही आती ऐसी अवस्था में वृद्धि अवरोधक रसायन सी.सी.सी. 1500 - 2000 पी.पी.एम. या प्लेक्लोबुटराझाल (कलटार) का छिडकाव किया जाना चाहिए ।

फल गलन

फलो का गिरना वर्ष में दो या तीन बार में होता है- प्रथम फल गोली के आकार से थोडा बडा होने पर तथा दूसरा फल पूर्ण विकसित होने या फल रंग परिवर्तन के समय । फल तुडाई के कुछ दिन पहले फल गलन अम्बिया बहार की काफी गंभीर समस्या है । फल गलन की रोकथाम हेतु फूल आने के समय जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे ।

फल लगने के बाद फलो का आकर 8 से 10 मि.मी. 2, 4-डी 15 पी.पी.एम. बिनामिल तथा कार्बेन्डाजिम 1000 पी.पी.एम. यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । फल 18 से 20 मि.मी. आकरमान के होने के बाद जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. पोटेशियम नाइट्रेट 1 प्रतिशत छिडकाव करे । सितंबर माह में 2, 4 - डी 15 पी.पी.एम. बिनामिल या कार्बेन्डाजिम 1000 पी.पी.एम. और यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । अक्टूबर महीने में जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. पोटेशियम नाइट्रेट 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । 2,4 - डी या जिब्रेलिक अम्ल 30 मिली. अल्कोहल या एसिटोन में घोले व बाद में पानी मिलाए । मृग बहार की फसल के लिए भी उपरोक्त रोकथाम के उपाय करे ।

संतरा बागानों में रोग प्रबंधन

फायटोफ्थोरा बीमारी के लक्षण : फायटोफ्थोरा रोग से नर्सरी में पौधे पीले पड़ जाते है, बढ़वार रूक जाती है तथा जड़ो की सडन होती है। इस फफूंद के कारण जमीन के ऊपर तने पर दो फीट तक काले धब्बे पड़ जाते है जिसके कारण छाल सूख जाती है। इन धब्बो से गोंद नुमा पदार्थ निकलता है। पेडो के जडो पर भी इस फफूंद से क्श ति होती है। प्रभावित पौधे धीरे धीरे सूख जाते है।

रोग का उद्गम : फायटोफ्थोरा फफूंद के रोगाणु गीली जमीन से बहुत फफूँद बढ़ जाते है। इसके बीजाणू वर्षा पूर्व 25 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान पर बढकर थैली नुमा आकार के हो जाते है जो पानी के साथ तैरकर जड़ो की नोक तथा जड़ो की जख्म के संपर्क में आकार बीमारी का प्रसार करते है। इन बीजाणुओ से धागेनुमा फफूंद का विकास होता है जो बाद में कोशिकाओं में प्रवेश कर फफूंद का पुनः निर्माण करते है। फायटोफ्थोरा फफूँद पूरे वर्ष भर नर्सरी तथा बगीचो की नमी में सक्रिय रहती है।

संतरा बागानों में कीट प्रबंधन

संतरे का सायला कीट

(1) प्रौढ़ एवं अरभक क्षतिकारक अवस्थाये

(2) कीट समूह में रहकर नाजुक पत्तियों से तथा फूल कलियों से रस शोषण करते है परिणामतः नई कलियां तथा फलों की गलन होती है।

नियंत्रणः (1) जनवरी-फरवरी, जून-जूलाई तथा अक्टूबर - नवम्बर में नीम तेल (3-5 मि.ली. / लीटर) या इमिडाक्लोप्रिड अथवा मोनोक्रोटफॉस का छिड़काव करें।

पर्ण सुरंगक कीट

(1) नर्सरी तथा छोटे पौधों पर अधिक प्रकोप होता है, जिससे वृद्धि रूक जाती है। यह कीट मिलीबग तथा कैंकर रोग के संवाहक है।

(2) जीवन क्रम 20 से 60 दिन तथा वर्ष में 9 से 13 पीढ़ियां

(3) प्रकोप संपूर्ण वर्ष भर परंतु जूलाई -अक्टूबर तथा फरवरी-मार्च में अधिक।

नियंत्रणः-(1) नर्सरी में कीट ग्रसित पत्तियों को छिड़काव पूर्व तोड़कर नष्ट करें।

(2) क्विनालफॉस 25 ई.सी. का 2.0 मि.ली. अथवा फोसोलान 1.5 मि.ली./लीटर

नीबू की तितली

(1) कीट प्रकोप वर्ष भर परंतु जूलाई - अगस्त में सर्वाधिक

(2) वर्ष में 4-5 पीढ़िया

(3) इल्लियों की पत्तियां खाने की क्षमता बहुत अधिक होती है।

(4) इल्लियों का रंग कत्थई, काला होता है। विकसित इल्ली पर सफेद चित्तीयां होती है जिससे चिड़ियों की बीट के समान प्रतीत होती है।

नियंत्रणः- (1) डायपेल (बी.टी.) 0.05 प्रतिशत या सायपरमेथ्रिन 1 मि.ली./लीटर अथवा क्विनालफॉस 25 ई.सी. का 2.0 मि.ली. /लीटर

छाल खाने वाली इल्लियां

(1) इल्लियां रात्रिचर - तने से बाहर आकर रात में छाल का भक्षण करती है।

(2) तने में अधिकतम 17 छिद्र देखे गये है।

नियंत्रण :- ग्रसित भाग के जाले हटाकर डायक्लोरहॉस 1 प्रतिशत घोल छिद्र में डालकर छिद्र कपास से बंद करें।

रोग के फैलाव के प्रमुख कारण

1. फायटोफ्थोरा के लिए अप्रतिरोधक मातृवृक्ष(रूटस्टाक) का उपयोग।
2. बगीचे में पट पानी देना तथा क्यारियों में अधिक समय तक पानी का रूकना।
3. गलत पदति से सिंचाई द्वारा प्रसार।
4. जमीन से 9 इंच से कम ऊचाई पर कलम बांधना।
5. एक ही जगह पर बार बार नर्सरी उगाना।
6. रोग प्रभावित बगीचो के पास नर्सरी तैयार करना।

प्रबंधनः

अ) पौधशाला में फायटोफ्थोरा रोग का प्रबंधन

1. बोनी के पूर्व फफूंद नाशक से बीजोपचार करना चाहिए।
2. पौधो को पौधशाला सें सीधे बगीचे में नही ले जाना चाहिए। जड़ो का अच्छी तरह धोकर, मेटालेक्जिल एम. जेड 2.75 ग्राम प्रति लिटर के साथ कार्बिनडाजिम/ग्राम प्रति लिटर घोल से 10 मिनट तक उपचारित करना चाहिए।
3. जमीन से लगभग 9 इंच के ऊपर कलम बंधना चाहिए।
5. पौधशाला में प्लास्टिक ट्रे एवं निर्जिवीकृत (सुक्ष्मजीव रहित) मिट्टी का उपयोग करना चाहिए।
6. पौधशाला हेतु पुराने बगीचों से दूर अच्छी जल निकासी वाली जमीन का चयन करना चाहिए।

बागानों में फायटोफ्थोरा रोग का प्रबंधन

रोकथाम के उपायः

1. अच्छी जल निकासी वाली जमीन का चुनाव करे।
2. अच्छी प्रतिरोधकता वाली मूलवृन्त का चुनाव करे।
3. अधिक सिंचाई और जड़ो के टुटने से बचाना चाहिए।
4. पौध रोपण के समय कलम जमीन की सतह से लगभग 6 से 9 इंच ऊचाई पर होना चाहिए।
5. तने को नमी से बचाने के लिए डबल रिंग सिंचाई पदति का उपयोग करना चाहिए।
6. वर्षा के पहले और बाद में तने पर बोर्डेक्स पेस्ट लगाना चाहिए।

रोग नियंत्रण के उपाय

1. तने के रोग ग्रस्त भाग को चाकू से छिलकर मेटालेक्जिल एम जेड़ 72 का पेस्ट लगावे। छिले हुए भाग को जलाकर नष्ट करना चाहिए।
2. मेटालेक्जिल एम जेड 72 डब्लू पी 2.75 ग्राम प्रति लीटर या फोस्टिल ए.एल 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से रोग ग्रस्त पौधो पर अच्छी तरह छिड़काव करें।
3. प्रतिरोधी मूलवृन्त जैसे रंगपूर लाइम पर फायटोफ्थोरा का आक्रमण कम होता है।

गया मटर लगाने का मौसम

सिंचाई

स्प्रिकंलर से शाखा बनते समय और फूल आने से पूर्व हल्की सिंचाई करें।

नींदा प्रबंधन

फसल में नींदा की समस्या होने पर व्हील हो या हेण्ड हो द्वारा निंदाई करें जिससे फसल की जड़ क्षेत्र में वायु संचार बढ़ जाता है और खरपतवार नियंत्रित होने से पौधे में शाखाएं और उत्पादन में वृद्धि होती है।

रसायनिक नींदानाशक

दवा दवा की व्यापारिक मात्रा/हे. उपयोग का समय उपयोग करने की विधि

पेण्डीमिथालीन 3 लीटर/हे. बुवाई से 1 से 3 दिन के अंदर छिड़काव या फिर 500 ली. पानी/हे. की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

मेट्रीब्यूजिन 250 ग्रा/हे. बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करें।

उपज प्राप्त करने हेतु प्रमुख पांच बिन्दु

भूमि का चुनाव

मटर की खेती सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती है परंतु अधिक उत्पादन हेतु दोमट और बलुई भूमि जिसका पीएच मान 6-7.5 हो तो अधिक उपयुक्त होती है।

भूमि की तैयारी

टमाटर की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी

टमाटर की खेती करने के लिए जल निकासी वाली उपयुक्त मिट्टी (दोमट मिट्टी) का होना जरूरी होता है। दोमट मिट्टी के अतिरिक्त मिट्टियो में भी इसकी खेती को आसानी से किया जा सकता है। किन्तु मिट्टी में उचित मात्रा में पोषक तत्व जरूर होने चाहिए तथा मिट्टी का मान भी 6-7 के मध्य होना चाहिए । ऐसी भूमि जहाँ पर जल का भराव अधिक रहता हो वहाँ पर खेती करना उचित नहीं होता है, क्योंकि ऐसी जगहों पर भरे हुए जल की वजह से फसल में कई तरह के रोग लग जाते है। टमाटर के पौधे जमीन के समीप होते है, और यदि भूमि में जल भरा रहे तो इसके फल भी ख़राब हो जाते है। इसलिए सही भूमि का होना भी आवश्यक होता है।

टमाटर की खेती के लिए आवश्यक जलवायु व तापमान

टमाटर की खेती के लिए किसी खास भूमि व किसी खास जलवायु की आवश्यकता नहीं होती है इसकी खेती को किसी भी जगह पर किया जा सकता है। लेकिन सर्दियों के मौसम में पड़ने वाली ओस इसकी खेती के लिए नुकसान दायक होती है। एक आदर्श मौसम इसके लिए सबसे उचित होता है। टमाटर की खेती में तापमान का बहुत अधिक महत्त्व होता है, क्योकि टमाटर के बीज को अंकुरित होने के लिए सामान्यता 20 -25 डिग्री का तापमान पौधे के विकास के लिए अच्छा माना जाता है 7 जब टमाटर के पौधे का विकास होता है।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
PRESS

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
Monthly ROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- (above length sqcm card rate applicable)

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

With effect from 01.11.2023
RATE CARD
Classifieds
Call @ ITDC welcome No. +919575 220022

साउथ अफ्रीका पर एक और करारी हार का खतरा, तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने दिखाया दमदार खेल

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की टेस्ट इस समय ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है, जहां दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इसी टेस्ट सीरीज को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से अपने नाम कर लिया है और सीरीज का तीसरा मुकाबला सिडनी में खेला जा रहा है। इस मैच में भी साउथ अफ्रीका की टीम के सामने करारी हार का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि टीम के 6 विकेट गिर चुके हैं।

सिडनी में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चार दिन का खेल समाप्त हो गया है, लेकिन इस मैच में करीब 2 दिन का खेल बारिश में धुल गया है। शनिवार 7 जनवरी को मुकाबले के चौथे दिन का खेल समाप्त हुआ। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम फ्रंट फुट पर है, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम बैकफुट पर है, क्योंकि साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में ही 6 विकेट खो दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। टीम ने 4 विकेट खोकर 475 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा 195 रन पर नाबाद थे, लेकिन मैच शुरू होने का नाम नहीं लिया तो चौथे दिन कप्तान ने पारी की घोषणा कर दी। साउथ अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो टीम को पहला झटका जल्द ही डीन एल्गर के रूप में लगा।

सरफराज अहमद से खुश हैं शाहिद अफरीदी, लेकिन ये बात कर दी साफ

जैसे ही कप्तान डीन एल्गर आउट हुए तो फिर विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। साउथ अफ्रीका की टीम ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 59 ओवर में कुल 149 रन बनाए और 6 विकेट खो दिए। इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि मेजबान टीम अभी भी 326 रन आगे हैं। पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम 4 विकेट जल्दी ले लेती है तो निश्चित रूप से फॉलोऑन खिला सकती है।

ऋषभ पंत को लेकर आया एक और बड़ा मेडिकल अपडेट, मुंबई में हुई घुटने की सफल सर्जरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर एक बड़ा मेडिकल अपडेट सामने आया है। ऋषभ पंत के घुटने की सर्जरी हो चुकी है और ये सफल रही है। यहां तक कि ऋषभ पंत सर्जरी के बाद अच्छा महसूस कर रहे हैं। कार एक्सीडेंट के बाद उनको रुड़की से देहरादून और देहरादून से मुंबई आगे के इलाज के लिए ले जाया गया था, जहां उनका इलाज जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ऋषभ पंत की कार दुर्घटना के दौरान लगी घुटने के लिगामेंट की चोट की सफल सर्जरी कल (6 जनवरी) की गई। वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। वह इस समय मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और तेजी से रिकवर कर रहे हैं। सर्जरी के मायने हैं कि वे अब लंबे समय तक कि एथलेटिक एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, क्रिकेट खेलना तो दूर की बात है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इस बारे में कोई अपडेट नहीं दिया है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही आधिकारिक मेडिकल अपडेट ऋषभ पंत को लेकर जारी करेगा। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनको गंभीर चोट आई थी। शुरुआती इलाज रुड़की के सक्षम अस्पताल में हुआ था। इसके बाद उन्होंने देहरादून के मैक्स हॉस्पिटल में रेफर किया गया था।

BCCI ने तय की WIPL के ऑक्शन के लिए डेडलाइन, खिलाड़ियों के पास है गोल्डन चांस

नई दिल्ली। आईपीएल की तरह 2023 में वुमेंस आईपीएल भी होने जा रहा है। बीसीसीआई ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। यहां तक कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की तरफ से खिलाड़ियों को WIPL के लिए 26 जनवरी तक का टाइम ऑक्शन रजिस्ट्रेशन के लिए दिया है। वुमेंस आईपीएल नहीं, इसे वुमेंस टी20 लीग 2023 नाम बीसीसीआई ने डॉक्यूमेंट्स में दिया है।

क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो भारतीय खिलाड़ियों के लिए भेजे गए गाइडलाइन्स डॉक्यूमेंट्स में, बीसीसीआई ने कैप्ड और अनकैप्ड दोनों क्रिकेटरों को प्लेयर ऑक्शन के लिए रजिस्टर करने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा गया है, जिसकी समय सीमा 26 जनवरी को शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है।

कैप्ड खिलाड़ियों में, तीन %रिवर्स प्राइस% कैटेगरी हैं, जिनमें 50 लाख रुपये, 40 लाख रुपये और 30 लाख रुपये वाली कैटेगरी शामिल है, जो बोली लगाने के लिए शुरुआती बिंदु होंगे। प्रतियोगिता के लिए किसी भी खिलाड़ी का कॉन्ट्रैक्टर फीस बोली प्रक्रिया के समापन पर फाइनल होगी। अनकैप्ड खिलाड़ियों के लिए बेस प्राइस की दो कैटेगरी हैं, जिनमें एक 20 लाख रुपये और दूसरी 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

आईपीएल प्रोटोकॉल की तरह वुमेंस आईपीएल के लिए भी ऑक्शन रजिस्टर बनेगा, जो खिलाड़ी अनसोल्ड रहेगा, उसे ही रिप्लेसमेंट प्लेयर्स के तौर पर मौका मिल सकता है। पांच टीमों वाला ये टूर्नामेंट होगा। हालांकि, अभी टीमों की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन

उप-कप्तानी गंवा चुके केएल राहुल ने वनडे सीरीज के लिए शुरू की तैयारी, श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी। तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर है, लेकिन इस सीरीज में केएल राहुल, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को नहीं चुना गया था। नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोटिल थे। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंस्टाग्राम पर नेट सेशन का एक वीडियो शेयर किया है।

केएल राहुल ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, %%राइट हियर%%। राहुल का पिछला साल (2022) बेहद ही खराब रहा। चोट की वजह से कुछ मैचों से बाहर रहने के बाद जब उन्होंने वापसी की तो वह लय हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कुछ अर्धशतकीय पारियां खेली, लेकिन फिर कई मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना झेलनी पड़ी। बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन ना करने और तेजी से रन ना बनाने के कारण वह फैंस और पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर रहे। पिछले साल तीनों फॉर्मेट में राहुल का प्रदर्शन

केएल राहुल ने पिछले साल चार टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 17.12 की औसत से 137 रन बनाए थे। उनका बेस्ट स्कोर 50 रन रहा। पिछले साल 10 वनडे मैचों में उन्होंने 27.88 की औसत से 251 रन बनाए। दो अर्धशतक लगाए और इस दौरान उनका बेस्ट 73 रहा। 16 टी20 इंटरनेशनल मैचों में राहुल ने 28.93 की औसत से 434 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक जड़े और बेस्ट स्कोर 62 रहा। सभी फॉर्मेट को मिला दें तो पिछले साल केएल राहुल ने 30 मैचों में 25.68 की औसत से 822 रन बनाए, जिसमें नौ अर्धशतक शामिल है।

श्रीलंका वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (वीसी), वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मो. शमी, मो. सिराज, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह।

प्लेयर ऑफ द सीरीज बने सरफराज अहमद से खुश हैं शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच भी ड्रा करने में कामयाब रही। पहला मैच भी जैसे-तैसे पाकिस्तान की टीम ड्रा करा पाई थी। ऐसे में अब सीरीज ड्रा के ही रूप में समाप्त हुई, लेकिन दूसरा मैच पाकिस्तान की टीम के लिए ड्रा इसलिए हो गया, क्योंकि पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने शतक जड़ा। उन्हीं के शतक की बदौतल टीम से हार टली, बल्कि टीम जीत के करीब भी पहुंची, लेकिन अंत में मैच ड्रा रहा, जहां न्यूजीलैंड के पास भी मैच जीतने का मौका था। सरफराज को लेकर अब टीम के अंतरिम चीफ सलेक्टर शाहिद अफरीदी ने बयान दिया है।

मैच के तुरंत बाद पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता शाहिद अफरीदी ने सरफराज को उनकी पारी के लिए बधाई दी, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि मोहम्मद रिजवान ही सफेद गेंद वाले क्रिकेट के लिए टीम की पहली पसंद हैं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं बहुत खुश हूं कि सैफी (सरफराज अहमद) ने वापसी की है और इतना शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन मोहम्मद रिजवान उपलब्ध हैं और वह टी20 और वनडे दोनों में हमारे मुख्य विकेटकीपर हैं। उन्होंने आगे कहा, भगवान न करे अगर रिजवान चोटिल हो जाते हैं या वह थक जाते हैं, तो हम अन्य विकल्पों पर विचार करेंगे।

किसी के टेस्ट प्रदर्शन को सीमित ओवरों के प्रदर्शन से नहीं जोड़ना चाहिए। यह सरफराज अहमद के लिए एक कमबैक सीरीज थी, जिसने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच के दौरान अपना 50वां टेस्ट खेला था। उन्हें इस सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला, क्योंकि उन्होंने एक शतक के अलावा 3 अर्धशतक भी जड़े। इसके लिए रिजवान ने उन्हें ट्विटर पर बधाई दी।

रिजवान ने ट्वीट किया, सैफी भाई द्वारा फिर से शानदार पारी। कड़ी मेहनत और अल्लाह पर भरोसा रखने से आपको यही मिलता है। मुझे सैफी भाई के मैन ऑफ द सीरीज होने से ऐसी ही खुशी है, जैसे ये अवॉर्ड मुझे मिला हो। बल्कि यकीनन उससे भी ज्यादा।

सीरीज जीतने के लिए भारत को इन दो डिपार्टमेंट पर करना होगा काम, आज खेला जाएगा निर्णायक मुकाबला

राजकोट। श्रीलंका को शनिवार को निर्णायक तीसरे टी20 मैच में हराने के लिये भारतीय तेज गेंदबाजों और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को पिछले मैच की हार से उबरकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में आखिरी गेंद पर जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम दूसरे मैच में 16 रन से हार गई। युवा तेज गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन हार का प्रमुख कारण रहा लेकिन उमरान मलिक और शिवम मावी को बखूबी पता है कि उन्हें इससे काफी कुछ सीखने को मिला है। उनकी खराब लाइन और लैंग्थ का श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने बखूबी फायदा उठाया।

चोटों से उबरकर टीम में लौटे बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपने दो ओवरों में पांच नो बॉल डाली। वह पहले ओवर में लगातार तीन बार क्रीज से बाहर रहे और टी20 में नोबॉल की हैट्रिक लगाने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। पहले मैच में शानदार पदार्पण करने वाले मावी और अर्शदीप दोनों ने काफी नो बॉल फेंकी। ऐसे में कप्तान हार्दिक पंड्या को स्पिनरों पर निर्भर रहना पड़ा। वैसे महज एक मैच में खराब प्रदर्शन की गाज युवाओं पर नहीं गिरेगी क्योंकि उन्हें अनुभव की जरूरत है।

मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, युवा खिलाड़ियों के कैरियर में इस तरह के मैच आयेंगे और हमें उनके साथ संयम बरतना होगा।

लेकिन हमें समझना होगा कि ऐसा प्रदर्शन नहीं होना चाहिये। पूर्व चयनकर्ता श्रीकांत ने की भविष्यवाणी- गौतम गंभीर की तरह विराट कोहली भी अन्य खिलाड़ियों को दिखाएंगे रास्ता उन्होंने कहा , वे सीख रहे हैं।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
Shri Parisar, 23 WEST Nishatpura, DIG Bungalow, Bhopal-462100 MP INDIA.
Welcome No 9575 220022 EM: itdcnewsmp@gmail.com W: www.itdcnews.com
ITDC 5-e's theme
education
employment
economics
environment
evolution
PRESS
Call @ ITDC welcome No. +919575 220022

पूर्व चयनकर्ता ने वर्ल्ड कप 2023 की भारत की संभावित टीम से 2 बड़े नामों को किया बाहर

नई दिल्ली। 1 जनवरी को बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के बाद एक रिपोर्ट सामने आई थी जिसमें कहा गया था कि बोर्ड ने आगामी वर्ल्ड कप 2023 के लिए 20 मुख्य खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट कर लिए हैं। इन खिलाड़ियों में से ही वर्ल्ड कप स्क्वॉड का चयन होगा। इस खबर के सामने आते ही क्रिकेट पंडितों समेत पूर्व खिलाड़ियों ने उन खिलाड़ियों पर बात करना शुरू कर दी जो इन टॉप 20 खिलाड़ियों में जगह बना सकते हैं या नहीं।

इस कड़ी में अब पूर्व भारतीय चयनकर्ता और 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य कृष्णमाचारी श्रीकांत का बयान सामने आया है। श्रीकांत ने उन दो खिलाड़ियों के बारे में बात की है जिन्हें वर्ल्ड कप स्क्वॉड में नहीं होना चाहिए।

धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की तरह श्रीलंका को इतिहास रचने से रोकना चाहेंगे हार्दिक पांड्या

स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा %दो खिलाड़ी मेरी सूची में नहीं होंगे, शुभमन गिल और शार्दुल ठाकुर। गिल भारत की वनडे टीम का हिस्सा तब थे जब पिछले साल टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए रोहित शर्मा को इस प्रारूप से आराम दिया जा रहा था, लेकिन उन्हें तब टीम में जगह नहीं मिली जब पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में सीनियर खिलाड़ियों की वापसी हुई। हालांकि, शिखर धवन के श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय मैचों से बाहर होने के बाद अब गिल फिर से टीम का हिस्सा हैं।

पाकिस्तानी पूर्व कप्तान ने उठाए उमरान मलिक की गेंदबाजी पर सवाल, कहा वह काफी प्रेडिक्टेबल है उन्होंने आगे कहा %मेरे तेज गेंदबाज बुमराह, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज होंगे। चार मीडियम पेसर काफी हैं। शमी के 50-50 चांस है। मैं चयनकर्ताओं के अध्यक्ष के रूप में बोल रहा हूं, न कि एक प्रशंसक के रूप में, मैं इसके बजाय हुड्डा को लाऊंगा। मेरा मानना है कि ये वो लोग हैं जो मैच जीतेंगे, आप क्या चाहते हैं? आप मैच जीतना चाहते हैं, आपको यूसुफ पठान जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो आपको अकेले दम पर मैच जिताएंगे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस ने साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवा कर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित किया।
संपादक- राधिका वीरेंद्र* आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

वैकल्पिक टैक्स स्लैब लाने की क्यों पड़ी जरूरत? बजट से पहले वित्त मंत्री ने बताया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सात टैक्स स्लैब वाली वैकल्पिक आयकर व्यवस्था इसलिए लाई ताकि निम्न आय वर्ग के लोगों को कम कर देना पड़े। ये बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कही है। उन्होंने कहा-मुझे 7 स्लैब इसलिए बनाने पड़े, ताकि कम आय वर्ग के लोगों के लिए कम दरें हों।

सीतारमण ने कहा कि पुरानी कर व्यवस्था के लाभ को हटाया नहीं गया है, बल्कि नयी छूट मुक्त कर व्यवस्था आयकर रिटर्न प्रणाली का एक वैकल्पिक रूप है।

आपको बता दें कि सरकार ने आम बजट 2020-21 में वैकल्पिक आयकर व्यवस्था शुरू की थी, जिसके तहत व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) पर कम दरों के साथ कर लगाया गया। हालांकि, इस व्यवस्था में किराया भत्ता, आवास ऋण के ब्याज और 80सी के तहत निवेश जैसी अन्य कर छूट नहीं दी जाती है।

क्या है स्लैब की डिटेल

इसके तहत 2.5 लाख रुपये तक की कुल आय कर मुक्त है। इसके बाद 2.5 लाख रुपये से पांच लाख रुपये तक की कुल आय पर पांच फीसदी, पांच लाख रुपये से 7.5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 10 फीसदी, 7.5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक की आय पर 15 फीसदी, 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये तक की आय पर 20 फीसदी, 12.5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये तक आय पर 25 फीसदी और 15 लाख रुपये से ऊपर आय पर 30 फीसदी की दर से कर लगाया जाता है।

पुराने स्लैब की डिटेल

पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत भी 2.5 लाख रुपये तक की आय कर मुक्त है। इसके बाद 2.5 लाख रुपये से पांच लाख रुपये के बीच की आय पर पांच प्रतिशत कर लगता है, जबकि पांच लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच 20 प्रतिशत कर लगाया जाता है। इसके बाद 10 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 फीसदी कर लगता है।

मंदी की आंच भारत तक, देश में 1000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी Amazon

नई दिल्ली। वैश्विक मंदी को लेकर चल रही बहस के बीच दुनियाभर में छंटनी का दौर शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में अब ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में करीब 1,000 कर्मचारियों को निकालने की योजना बनाई है। कंपनी दुनिया भर में छंटनी कर रही है और यह उसी का हिस्सा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों से शुक्रवार को यह जानकारी दी।

भारत में 1 लाख कर्मचारी- सूत्र ने कहा-कंपनी के वैश्विक स्तर पर 18,000 नौकरियों को खत्म करने के निर्णय से भारत के लगभग 1,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि अमेजन के भारत में एक लाख कर्मचारी हैं। इस फैसले से यहां एक प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित होंगे। हालांकि इस बारे में पूछे जाने पर अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने कोई टिप्पणी नहीं की। दरअसल, अमेजन अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों के कारण दुनिया भर में 18,000 से अधिक पदों को समाप्त कर रही है। हाल ही में अमेजन के सीईओ एंडी जेस्सी के एक लेख लिंक साझा किया है। लेख में उन्होंने वैश्विक स्तर पर 18,000 पदों को खत्म करने के कंपनी के फैसले की जानकारी दी है। हम करीब 18,000 पदों को समाप्त करने की योजना बना रहे हैं। इस फैसले से कई समूह प्रभावित होंगे।

68 प्रतिशत तक का नुकसान दे चुके ये IPO, अब टॉप म्यूचुअल फंड हुए फिदा, खरीद डाले 30 लाख शेयर

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले दो साल में कई न्यू ऐज टेक कंपनियों के आईपीओ दस्तक दिए। हालांकि, इनमें से ज्यादातर आईपीओ फ्लॉप साबित हुए और निवेशकों के पैसे डुबो दिए। न्यू ऐज टेक कंपनियों का मार्केट वैल्यू 20 अरब डॉलर से अधिक गिर चुका है। दूसरी तरफ टॉप म्यूचुअल फंड्स ने इन कंपनी के शेयरों पर बड़ा दांव खेला है। दरअसल, फ्रेंकलिन टेम्पलटन ने पॉलिसी बाजार ऑपरेटर पीबी फिनटेक और डेल्हीवेरी के शेयरों में खरीदारी की है।

फ्रेंकलिन ने क्या कहा?

फ्रेंकलिन टेम्पलटन की भारतीय यूनिट में इक्विटी के लिए मुख्य निवेश अधिकारी आनंद राधाकृष्णन ने एक साक्षात्कार में कहा, हम नई टेक कंपनियों को फोकस कर रहे हैं क्योंकि उनके मूल्यांकन को रीसेट कर दिया गया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके कारोबार मॉडल के बारे में डेटा उपलब्ध है। 2021 में भारतीय इंटरनेट फर्मों की शुरुआती पब्लिक पेशकशों में उछाल आया, जिसका

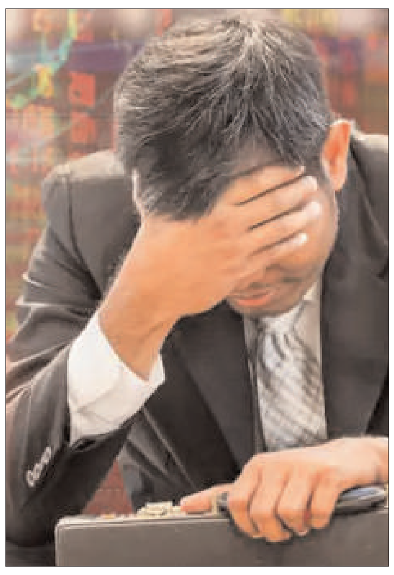

श्रेय महामारी-ट्रिगर ईज़ी-मनी पॉलिसी और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासों को जाता है। राधाकृष्णन ने कहा कि कुछ नई टेक फर्मों ने संकेत दिखाना शुरू कर दिया है कि वे शेयरों से मुनाफा कमा सकते हैं।

कितने शेयरों पर दांव

ब्लूमबर्ग आंकड़ों के अनुसार, फ्रैंकलिन टेम्पलटन द्वारा मैनेजिंग फंड्स ने नवंबर में ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स कंपनी डेल्हीवरी लिमिटेड के कम से कम 3.3 मिलियन शेयर (33 लाख शेयर) और ऑनलाइन इंश्योरेंस मार्केटप्लेस पॉलिसीबाजार के संचालक पीबी फिनटेक लिमिटेड के 2 मिलियन (20 लाख) से अधिक शेयर खरीदे हैं।

इन कंपनियों ने डुबोए पैसे

डेल्हीवरी और पीबी फिनटेक के अलावा डिजिटल भुगतान फर्म पेटीएम, ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी ज़ोमैटो लिमिटेड और नायका के शेयरों ने निवेशकों को तगड़ा नुकसान कराया है। सबसे अधिक पेटीएम को नुकसान हुआ। इसका बाजार पूंजीकरण 12.7 अरब डॉलर कम हो गया है। वहीं, पीबी फिनटेक अपने लाइफ टाइम हाई से 68त्न तक नीचे है।

REGISTRATION OF VENDORS FOR PROCUREMENT OF PHARMACEUTICAL ITEMS LAB CHEMICALS, HEARING AID, MEDICAL GASES FOR MILITARY HOSPITAL BHOPAL FROM DGLP & ECHS FUNDS (FY 2023-24)

1 Applications are invited by Military Hospital Bhopal for registration of venders for supply of Medicines, Surgical Consumables, Lab chemicals reagents, X Ray films, Hearing Aids, Surgical Suture, Appliances, ART Drugs, Disposables & Media (Assisted Reproductive Technology) and medical gases for the financial year 2023-2024 along with certified copies of following documents:-

(a) Govt registration of shop with address. (b) GST/TIN,PAN and valid shop license. (c) Income Tax Return for last 3 years (Proprietor/Firm). (d) Security clearance from local Police Station (Police Verification). (e) Valid drug License and Narcotic licence, if any. (f) Latest Photo of Shop with (Name) Board. (g) Authorized Dealership certificate of reputed firms. (h) Certificate from Bank stating functional account no of firm held (copy of cancelled cheque to be enclosed). (j) Sample of letter head.(k) Digital Signature Certificate must be procured by the vendors along with CPP portal user id for e-procurement. (l) GMP certificate of companies whose dealership certificates are attached . (m) Performance certificate for last 3 yrs duly supported by copy of supply orders preferably of Govt/Military hospitals or other reputed hospitals. (n) Affidavit stating that the vendor has never been banned /black listed by any Govt hospital.

2. Audit report of OEM for last three years by CA as applicable and self-certification regarding quality assurance protocol followed in manufacturing, the items in question as applicable.

3. Above documents along with application forms in sealed envelopes must be submitted in the tender box kept in front of office of Sr Registrar & OC Troops MH Bhopal or by post addressed to **The Commandant, Military Hospital Bhopal, Bairagarh, Bhopal (MP) PIN-462031 on or before 1200 hrs, 05 Feb 2023**. Any application received after due date will not be accepted. Registration will be subject to fulfillment of terms and conditions, which are mentioned in para I above.

Presiding Offr DGLP/ECHS PC
For Comdt

NOTICE

1. Walk-In-Interview for Part Time Sweeper/Attendant (Sanitary Lady) vacancy-01 at Military Hospital, Bhopal

2. Interested candidates who are physically & medically fit, more than 18 yrs of age and who have passed class X are requested to apply on plain paper in the following format & come for interview at **09 AM on 10 Jan 2023** along with supporting documents and 02 passport size photographs to Jyotin Singh Auditorium, Military Hospital Bhopal near 3 EME Centre Bhopal-462031.

3.Total emoluments for the post- Rs 9000/- (fixed) per month with no increment.

APPLICATION FORMAT

a) Designation: **PART TIME SWEEPER/ ATTENDANT (SANITARY) (LADY)**
b) Name: .... (Capital Letter)
c) Age/Sex:..
d) Date of Birth:..
e) Nationality :..
f) Domicile/ Present address (Residential certificate) (Attested)
g) Married/un-married.
h) Experience with details.
i) Medical fitness certificate (Govt doctor).
j) Good Conduct certificate/Character certificate (Gazetted Officer/ Tehsildar/ Panchayat).
k) Education certificate (Minimum Class X pass).

I hereby certify that the above information is correct to the best of my knowledge & belief & I may be held responsible in case any information is found incorrect at a later date.

(Signature of Candidate)

50 हजार सालों में दिखता है ऐसा धूमकेतु

अगले महीने नंगी आंखों से देख सकेंगे अद्भुत खगोलीय घटना

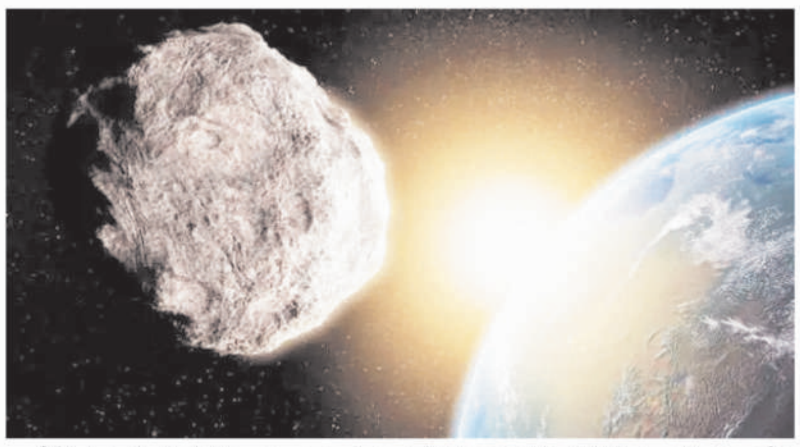

पेरिस। खगोलविदों ने एक नया धूमकेतु खोजा है, जिसे नंगीं आंखों से अगले महीने देखा जा सकता है। ऐसी खगोलीय घटना 50 हजार वर्षों में कभी-कभार ही होता है। खगोलविदों के मुताबिक आने वाले हफ्तों में ये धूमकेतु पृथ्वी और सूर्य को पार कर जाएगा।

पिछले साल मार्च में बृहस्पति ग्रह के पास से गुजरते हुए इस धूमकेतु को पहली बार देखा गया था।ˆ2ick4 क्षणिक ट्रांजिट के बाद इस धूमकेतु को C/2022 E3 (ZTF) नाम दिया गया है। खगोलविदों के मुताबिक, हमारे सौर मंडल की यात्रा करने के बाद यह 12 जनवरी को सूर्य के सबसे करीब आएगा और 1 फरवरी को पृथ्वी के सबसे करीब से गुजरेगा।

इस दौरान लोग दूरबीन की एक अच्छी जोड़ी के साथ इसे देख सकेंगे। खगोलविदों ने कहा है कि नंगी आंखों से भी इस धूमकेतु को देखना आसान होगा, बशर्ते शहर की रोशनी या चंद्रमा से आकाश बहुत अधिक रोशन न हो।

कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में भौतिकी के प्रोफेसर थॉमस प्रिंस,जो ज़्विकी ट्रांजिएंट फैसिलिटी में काम करते हैं, ने एएफपी को बताया, धूमकेतु ÷पृथ्वी के सबसे करीब होने पर सबसे चमकीला होगा। पेरिस वेधशाला में एक खगोल वैज्ञानिक निकोलस बीवर ने कहा कि बर्फ और धूल से बने और हरे रंग की आभा उत्सर्जित करने वाले इस धूमकेतु का व्यास लगभग एक किलोमीटर होने का अनुमान है।

बीवर ने कहा, "NEOWISE धूमकेतु से काफ़ी छोटा होगा, जिसे बिना दूरबीन की सहायता के नंगीं आँखों से आखिरी बार मार्च 2020 में पृथ्वी को पार करते हुए देखा गया था। 1997 में भी दिखाई दिए हेल-बोप धूमकेतु का व्यास 60 किलोमीटर के करीब था लेकिन नवीनतम धूमकेतु बहुत बड़ा नहीं है।÷

बीवर ने कहा कि 1 फरवरी के आसपास पूर्ण चंद्रमा धूमकेतु देखने की राह में रोड़ा अटका सकता है लेकिन उत्तरी ध्रुव में उन्होंने जनवरी के आखिरी सप्ताह में इसे देखने का सुझाव दिया है, जब धूमकेतु उरसा माइनर और उरसा मेजर नक्षत्रों के बीच से गुजरेगा।

चीन में अब सेलिब्रिटी से लेकर आम लोग खुद से क्यों हो रहे कोरोना संक्रमित?

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी मुल्क चीन में कोरोना महामारी बेलगाम हो चुकी है। सेलिब्रिटी से लेकर कई आम लोग काल का ग्रास बन चुके हैं। जग हंसाई छिपाने के लिए चीन कोरोना से होने वाली मौत और संक्रमितों का आंकड़ा छिपा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आंकड़े छिपाने के लिए बाकायदा चीन को लताड़ लगाई है। अब खबर है कि चीन के युवा खुद को कोरोना से संक्रमित कर रहे हैं। इनमें कई सेलिब्रिटी और आम नागरिक भी शामिल हैं। रिपोर्ट है कि कईयों ने खुद को कोरोना से संक्रमित कर लिया ताकि उन्हें अपनी छुट्टियां कैंसल न करनी पड़ी। चीन में लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं? इस पर चौंकाने वाली बात सामने आई है।

चीन में कोरोना महामारी से बचना लगभग नामुमकिन हो गया है। कोरोना ने बुजुर्ग लोगों की जान पर ज्यादा आफत डाली है। ऐसे में लाचार हो चुके चीनी नागरिक अब खुद ही संक्रमित हो रहे हैं। बीबीसी की रिपोर्ट है कि सेलिब्रिटी से लेकर कई युवा चीनी नागरिकों ने खुद को कोविड से संक्रमित कर लिया ताकि उन्हें अपनी छुट्टियों की योजना में बदलाव न करना पड़े। हालांकि कईयों ने खुलकर इस पर बात नहीं की। उन्हें चीनी सरकार का डर है कि कोरोना पर कुछ कहना उनके और परिवार के लिए खतरनाक हो सकता है।

एंटीबॉडी विकसित करना चाहते हैं

बीबीसी से बात करते हुए कई युवाओं ने कहा कि वे खुद को संक्रमित कर रहे हैं क्योंकि एक बार नये वैरिएंट से संक्रमित होने के बाद उनके शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो जाएगी। ऐसे में वे बीमार नहीं होंगे। शंघाई के एक निवासी ने कहा कि उसने खुद को संक्रमित किया ताकि छुट्टियों पर कहीं घूमने जाते वक्त वह बीमार न पड़े। वहीं, चीनी गायिका और गीतकार जेन झांग ने दिसंबर में कहा था कि वह खुद से संक्रमित हुई क्योंकि वह नए साल की पूर्व संध्या के संगीत कार्यक्रम के दौरान संक्रमण के खतरे में नहीं पड़ना चाहती थीं। एक अन्य युवती ने बीबीसी को बताया कि उसने अपनी सहेली के पास जाकर खुद को संक्रमित किया। एक महिला, जो सरकारी नौकरी करती है, ने कहा कि वह भी उन लोगों के साथ मिलकर संक्रमित हो गई जिन्हें कोविड हो गया था।

मोबाइल था स्विच ऑफ, फिर महिला पर टॉयलेट करने वाले शंकर को पुलिस ने कैसे पकड़ा

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट में नवंबर महीने में शर्मनाक हरकत करने वाले शंकर मिश्रा को दिल्ली पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया। शंकर पर आरोप है कि उसने 26 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट में एक बुजुर्ग महिला पर टॉयलेट कर दी थी। इस महीने की शुरुआत में मामले के सामने आने के बाद पुलिस शंकर की तलाश कर रही थी। उसे फिजिकल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम से भी ढूंढने की कोशिश की जा रही थी। दिल्ली पुलिस को पहले पता चला था कि मुंबई का रहने वाला मिश्रा अक्सर मुंबई और बेंगलुरु में अपनी कंपनी के दफ्तरों को लेकर यात्रा करता रहता था। मिश्रा की तलाश के लिए दोनों शहरों में उसके ज्ञात ठिकानों पर टीमों का गठन किया गया था।

इंडिया टुडे के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि आरोपी शख्स की आखिरी लोकेशन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु थी, जहां 3 जनवरी को उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो गया था। अब, यह सामने आया है कि आरोपी ने एक प्राइवेट टैक्सी में बेंगलुरु की यात्रा की। उसे देश से भागने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी होने के बाद से ही वह शहर में छिपा हुआ था।

अमेरिका की जान का दुश्मन, कौन है ड्रग माफिया अल चैपो, बेटे की गिरफ्तारी के बाद मैक्सिको में हिंसा

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको में शनिवार का दिन बेहद हैप्पनिंग रहा। एक तरफ करीब छह महीनों तक चले सीक्रेट मिशन के बाद एक बेहद खतरनाक अपराधी को गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्तारी के बाद मैक्सिको के सिनालोआ में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़की, जिसमें 29 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, गिरफ्तार अपराधी की गैंग के सदस्यों कई गाड़ियों में आग भी लगा दी। सिर्फ इतना ही नहीं, एयरपोर्ट पर भी हमला किया गया, जिसके चलते कई फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं।

सवाल उठता है, आखिर कौन है वो अपराधी जिसकी गिरफ्तारी पर मैक्सिको में इतनी खलबली मच गई। इस अपराधी का नाम है ओवीडियो गूसमैन लोपेज। लोपेज मैक्सिको के बेहद कुख्यात ड्रग तस्कर अल चापो का बेटा है। 32 साल का ओवीडियो गूसमैन अपराधियों के बीच %द माऊस% नाम से जाना जाता है। वह अपने पिता के ड्रग तस्करी नेटवर्क की एक शाखा की कमान संभालता है। लेकिन असली किरदार है अल चैपो। न्यूयॉर्क में मैक्सिको के इस ड्रग तस्कर का पूरा नाम है जोआकीन आर्किवाल्डो गूजमैन लोएरा है। उसे अल चैपो और अल रैपिडो जैसे कई उपनामों से जाना जाता है। अल चैपो का अंग्रेजी में मतलब होता है शॉर्टी, यानी छोटे कद वाला। असल में अल चैपो की हाइट भी कम है, इसीलिए उसे यह उपनाम मिला हुआ है। वहीं, अल रैपिडो उसकी मादक पदार्थों की तेज डिलीवरी के लिए दिया गया है। यह भी दिलचस्प है कि अल चैपो एक बेहद विनम्र किसान परिवार से ताल्लुक रखता है। उसका जन्म 1957 में हुआ था। वह अपने परिवार के परंपरागत अफीम और गांजे के खेतों पर काम करता था।

अनुमान है कि यहीं से उसका रुझान ड्रग तस्करी में हुआ।

बाद में वह बेहद ताकतवर ग्वाडालाजारा कार्टेल के चीफ मिगेल एंजेल फेलिक्स गैलार्डो के पास पहुंच गया। उसने मिगेल को अपना गुरु बना लिया और तस्करी के हुनर को धार दी।

रूसी सैनिक बैन के बाद भी यूज कर रहे मोबाइल

यूक्रेन सिग्नल ट्रेस कर अटैक कर रहा, 400 सैनिकों को मारने का दावा

कीव। यूक्रेनी सेना ने नए साल के मौके पर 400 रूसी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया। यूक्रेन ने डोनटेस्क इलाके में एक स्कूल पर हमला किया था जहां बड़ी संख्या में रूसी सैनिक मौजूद थे। यूक्रेन ने बताया कि रूसी सैनिक मोबाइल चला रहे थे। जिनके नेटवर्क सिग्नल की वजह से उनकी लोकेशन में बारे में पता चला। हालांकि, रूस ने कहा कि हमले में उसके 89 जवान ही मारे गए थे। लेकिन यह बात मानी कि उनकी लोकेशन की जानकारी मोबाइल सिग्नल की वजह से लीक हुई। दरअसल, रूस ने जंग की शुरूआत से ही अपने सैनिकों के मोबाइल फोन इस्तेमाल करने पर रोक लगाई हुई है। इसके बवाजूद महीनों से परिवार से दूर रह रहे रूसी सैनिक घर बात करने के लिए मोबाइल चला रहे हैं और अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं।

माँ तुझे सलाम

अत्यंत दुःख के साथ सूचित हो कि
मेरी माताजी श्रीमती सुनंदा मजूमदार
का असामायिक देहावसान हो गया.

दिवंगत आत्मा की शांति एवं शुद्धि पूजन कार्यक्रम
शुक्रवार, 13 जनवरी '23 को
मेरे निज निवास पर होगा.

शोकाकुल : असित मजूमदार (पुत्र)
17 ए, बृज विहार कॉलोनी, पूर्वी निशातपुरा,
बेरसिया रोड भोपाल

प्रिंस हैरी के खुलासे पर क्यों भड़का तालिबान?

बोला- हमारे लोग शतरंज के मोहरे नहीं थे

काबुल। प्रिंस हैरी के ताजा खुलासों के हड़कंप मचा हुआ है। हाल ही में जारी होने वाली अपनी जीवनी (बायोग्राफी) में प्रिंस हैरी ने खुलासा किया था कि उन्होंने अफगानिस्तान में अपनी तैनाती के दौरान 25 तालिबानी लड़ाके मारे थे। ब्रिटिश मीडिया ने हैरी की ऑटोबायोग्राफी %स्?पेयर% के हवाले से यह बात कही है जोकि 10 जनवरी को रिलीज हो रही है। अब उनके इस खुलासे पर तालिबान भड़क गया है। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने प्रिंस हैरी को चेतावनी दी है कि फ्रआपने जिन्हें मारा वो आपकी शतरंज के मोहरेफ्र नहीं थे। खामा प्रेस ने शनिवार को बताया कि तालिबान ने प्रिंस हैरी के दावों की खुले तौर पर आलोचना की है। हैरी ने यह दावा भी किया है कि टारगेट्स को निशाना बनाना बिल्कुल शतरंज मोहरों की मदद से चाल चलना था। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया, फ्रजब मैं युद्ध की उथल-पुथल में फंस गया था, तब मैंने मैंने उन 25 लोगों के बारे में इंसान के तौर पर नहीं सोचा था।
तालिबान के अंतरिम प्रशासन ने हैरी के कार्यों को युद्ध अपराध कहा और उनके बयानों की कड़ी निंदा की। तालिबान नेता अनस हक्कानी ने ट्विटर पर लिखा, मिस्टर हैरी! जिन्हें आपने मारा, वे शतरंज के मोहरे नहीं थे, वे इंसान थे; उनके परिवार थे जो उनकी वापसी की प्रतीक्षा कर रहे थे। अफगानों के हत्यारों में से बहुतों में आपकी जैसी शालीनता नहीं है जो खुलकर अपना अपराध कुबूल कर सकें।
प्रिंस हैरी के मुताबिक, जब वह ब्रिटिश सेना में थे तब दो बार अफगानिस्तान में उनकी तैनाती हुई थी। पहले स्पैनिश में पब्लिश हुई अपनी बायोग्राफी में हैरी ने खुलासा किया कि अफगानिस्तान में दो बार तैनाती के दौरान उन्होंने कथित तौर पर 25 लोगों को मार डाला क्योंकि वे उन्हें शतरंज के मोहरे की तरह दिख रहे थे। ड्यूक ऑफ ससेक्स की उपाधि रखने वाले हैरी की पहली तैनाती अफगानिस्तान में 2007-2008 में हुई थी। उस समय वह यहां पर फॉरवर्ड एयर कंट्रोलर के तौर पर तैनात थे और हवाई हमलों पर नजर रख रहे थे। इसके बाद वह 2012-2013 में अटैक हेलीकॉप्टर के पायलट के तौर पर तैनात रहे। हैरी ने अपनी जीवनी में लिखा है, मेरा नंबर 25 है और यह